हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • बुधवार • 11.06.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 317 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

नशा मुक्त अभियान जागरूकता रथ को स्वास्थ्य मंत्री ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से बाहर निकालना : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और हमलोग उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। इसी के तहत यह नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, जो 10 जून से शुरू हो चुका है और इसका भव्य समापन 26 जून को मोरहाबादी मैदान में किया जाएगा। इसी के तहत इस कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता प्रचार वाहनों को भी रवाना किया जा रहा है, जो सभी जिलों में जाकर लोगों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करेगा। डॉ अंसारी मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में नशा मुक्ति अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गृह विभाग और सूचना जनसंपर्क विभाग के सहयोग से तैयार मादक पदार्थों के दुरुपयोग से संबंधित पुस्तिका का विमोचन भी किया, साथ ही कार्यशाला में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत बनाने हेतु शपथ ली। डॉ अंसारी ने कार्यक्रम के उपरांत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और लोगों को नशे की लत से बाहर निकालना है। आज से इस अभियान की शुरूआत हो रही है। अभियान के तहत सभी जिलों में प्रचार वाहन जाएंगे, स्कूलों और कॉलजो में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। झारखंड के विभिन्न जिलों खासकर रांची,खूंटी में अफीम की खेती की रोकथाम हेतु कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। हमारा प्रयास जारी है और हमने काफी हद तक इसमें रोक लगाने में सफलता भी पाई है,लेकिन हमारा लक्ष्य अफीम की खेती को पूरी तरह से खत्म करना है। अफीम की खेती का बड़े पैमाने पर विनष्टीकरण किया गया है, यह सरकार की उपलब्धि है। नशा सामाजिक , मानसिक और आर्थिक रूप से लोगों को बर्बाद कर रहा है।

नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करने की है जरूरत

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में 10,134 मेडिकल स्टोर में 4,000 से अधिक स्टोरों में सीसीटीवी का प्रावधान किया जा चुका है, शेष में लगाने की प्रक्रिया चल रही है। झारखंड में सबसे ज्यादा युवा नशे की चपेट में है। हमें झारखंड के लोगों को नशे की चपेट से बाहर निकलना है। उन्होंने गुटखा खाने के दुष्परिणाम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करने की जरूरत है।

स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर्स को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है हमारी सरकार

डॉ इरफान अंसारी ने कहा झारखंड को जल्द ही हम रिम्स 2 की सौगात देने जा रहे हैं। साथ ही यहां 6 नये मेडिकल कॉलेज और 2 टेस्टिंग लैब भी खुलेंगे। ताकि यहां के लोगों को बाहर इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि नशा सभी बीमारियों की जड़ है, नशे के चक्कर में पड़ कर युवा कम उम्र में ही इसकी गिरफ्त में पड़ कर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हमें उन्हें जागरूक करना होगा। यह सिर्फ 14 दिन का कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह कार्यक्रम पूरे साल भर चलना चाहिए। मीडिया से अनुरोध है कि जागरूकता अभियान को फोकस करें और लोगों को भी जागरूक करें।

ऑपरेशन सिंदूर से देश के सुरक्षा परिदृश्य में आया बड़ा बदलाव : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण तथा कार्रवाई के तरीकों को बदलकर देश के सुरक्षा परिदृश्य को बदल दिया है और दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसे देखा भी है। श्री सिंह ने मंगलवार को देहरादून में 'राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद' विषय पर आयोजित एक संवाद को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय इतिहास में आतंकवाद के खिलाफ की गई सबसे बड़ी कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला देश की सामाजिक एकता पर हमला था और भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करके आतंकवाद और उसके अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी तथा जोरदार कार्रवाई की। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और प्रगति का युग शुरू हुआ। हमारे पड़ोसी इसे बर्दाश्त नहीं कर सके और उन्होंने पहलगाम में आतंकी हमला किया। पाकिस्तान की लाख कोशिशों के बावजूद वह कश्मीर में विकास को रोक नहीं पाया है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक जम्मू-कश्मीर में सरकार की निरंतर प्रगति का एक शानदार उदाहरण है। जल्द ही पीओके भी हमारे साथ जुड़ जाएगा और कहेगा 'मैं भी भारत हूं'।

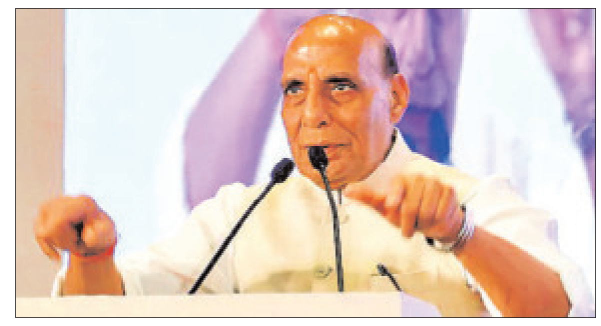

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है, लेकिन भविष्य में पहलगाम जैसी आतंकी घटनाओं को रोकना जरूरी है। उन्होंने न केवल सरकारों के स्तर पर बल्कि जनता के स्तर पर भी सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आतंकवाद को एक विकृत नैतिक तर्क, मानवता पर सबसे बड़ा अभिशाप, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा और प्रगति की राह में बाधा बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का सवाल नहीं है, यह मानवता के बुनियादी मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। आतंकवाद को एक महामारी बताते हुए रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस खतरे को स्वाभाविक मौत के लिए नहीं छोड़ा जा सकता क्योंकि इसका अस्तित्व सामूहिक शांति, विकास और समृद्धि को चुनौती देता रहेगा। उन्होंने आतंकवाद के स्थायी समाधान की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आतंकवादी किसी उद्देश्य से लड़ने वाले नहीं होते। कोई भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारण आतंकवाद को उचित नहीं ठहरा सकता। रक्तपात और हिंसा के जरिए कभी भी कोई मानवीय उद्देश्य हासिल नहीं किया जा सकता।

श्री सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने एक ही समय आजाद हुए लेकिन आज भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में मान्यता दी गई है, जबकि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद के जनक के रूप में उभरा है। पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, उन्हें अपनी धरती पर प्रशिक्षित किया है और उनकी मदद की है।

एक नजर

दिल्ली के अपार्टमेंट में आग, दो बच्चों समेत तीन की मौत

नयी दिल्ली : दिल्ली के द्वारका जिला स्थित एक अपार्टमेंट में मंगलवार को आग लगने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब 10 :00 बजे द्वारका सेक्टर 13 स्थित शब्द अपार्टमेंट की है। आग की लपटों में घिरे फ्लैट से जान बचाने के लिए करीब 35 साल के यश और उनके परिवार के दो अन्य बच्चों ने सातवीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। तीनों को तत्काल पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि आपकी इस घटना में यश की पत्नी और बड़े बेटे भी घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दिल्ली फायर ब्रिगेड कर्मियों ने दमकल की आठ गाड़ियों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए मोदी सरकार समर्पित : स्मृति ईरानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पूरे देश के साथ झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए मोदी सरकार समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की धरती से 24 हजार करोड़ रुपए की जन-मन योजना से आदिवासी गांवों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया है। ईरानी मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने असंभव को भी संभव किया है। स्मृति ईरानी ने कहा कि आज दुनिया भारत को सम्मान की दृष्टि से देख रही है। दुनियां में तिरंगे की ताकत बढ़ी है। देश में नारियों की पूजा शक्ति, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में हुई, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक नए शौर्य, साहस और धैर्य को प्रकट किया है। भारत का स्वदेशी रक्षा तंत्र आज तेजी से आगे बढ़ रहा। भारत के रक्षा उपकरणों का निर्यात 34 गुना बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल में उद्घाटित विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज की सराहना विपक्षी दल के मुख्यमंत्री और नेता भी कर रहे हैं। यह है मोदी सरकार का 'सबका साथ-सबका विकास।' आज जब विकास की बात होती है तो केंद्र में गरीबों को रखा जाता है। 50 करोड़ लोगों को जनधन खाता के माध्यम से देश की तिजोरी से जोड़ा गया। 45 लाख करोड़ रुपए सीधे डीबीटी के माध्यम से खाते में भेजे गए। बहुआयामी गरीबी से उबारने के संकल्प के कारण आज 25 करोड़ नागरिक तीव्र गति से उन्नति के पथ पर अग्रसर हुए हैं।

स्मृति ने कहा कि 81 करोड़ लोगों को अन्नपूर्णा का आशीर्वाद प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त अनाज के रूप में मिल रहा है। चार करोड़ गरीबों के सिर पर पक्के छत की सुविधा मिली है। इसमें 73 प्रतिशत मालकिन महिलाएं हैं। 15 करोड़ घरों तक नल से जल की सुविधा पहुंचना यह सुशासन और कुशल नेतृत्व के कारण ही संभव हुआ है।

बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की मौत मुख्यमंत्री व राज्यपाल ने जताया दुःख

एजेंसी

टोंक : टोंक जिले के सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार को बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य को समय रहते बचा लिया गया। सभी युवक जयपुर के रहने वाले थे और पिकनिक मनाने यहां आए थे। इस हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हादसा पुराना बनास पुलिया के पास स्थित कच्चा बांध पर हुआ। जयपुर के हसनपुरा इलाके के 11 युवक यहां पिकनिक मनाने आए थे। इस दौरान सभी युवक नदी में नहाने के लिए उतरे थे। तभी नहाने के दौरान कुछ युवक डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में अन्य युवक भी नदी में कूदे, लेकिन दुर्भाग्यवश आठ युवकों की डूबकर मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की उम्र 20 से 35 वर्ष के बीच है और वे आपस में दोस्त थे। जयपुर पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया गया है। मृतकों के शवों को सआदत अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। बनास नदी में डूबकर मरने वालों की पहचान मृतकों की पहचान हसनपुरा निवासी नौशाद (35) व कासिम, घाटगेट निवासीरिजवान (26) व बल्लू, पानीपेच कच्ची बस्ती निवासी नवाब खान (28), साजिद (20), हसनपुरा जयपुर निवासी फरहान और रामगंज बाजार निवासी नावेद (30) के रूप में हुई है। इसके अलावा घाटगेट निवासी शाहरुख (30), सलमान (26) और समीर (32) को बचा लिया गया है।

हादसे की सूचना पर राज्य के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की। घटना पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स अपनी पर संवेदनाएं प्रकट करते हुए लिखा, टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मौत का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। जिला प्रशासन को त्वरित रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति एवं परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

NATIONAL HEALTH MISSION
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड
परिवार कल्याण दिवस
प्रत्येक माह की 11 तारीख को
आयुष्मान आरोग्य मंदिर/शहरी स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
में परिवार नियोजन की सेवाएं
अवकाश की स्थिति में आगामी कार्य दिवस पर
परिवार कल्याण के लक्षित समूह–
- नव विवाहित दम्पत्ति
- एक बच्चे वाले योग्य दम्पत्ति
- जटिल गर्भावस्था वाली महिलाएं
- दो या दो से अधिक बच्चों वाले योग्य दम्पत्ति
- युवक–युवती

गतिविधियाँ
- परिवार नियोजन पर परामर्श
- अस्थाई विधियों का वितरण एवं अन्य परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता
- धात्री माता एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य संबंधी सलाह
- पोस्टर पेटिंग एवं स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता
- आदर्श दम्पत्ति का सम्मान

जोड़ी जिम्मेदार जो प्लान करे परिवार
"विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दम्पत्ति की शान !"
परिवार नियोजन की विधियाँ
स्थायी विधियाँ: पुरुष नसबंदी, महिला बंध्याकरण
अस्थायी विधियाँ: इंजेक्शन एम.पी.ए, आपातकालीन गर्भ निरोधक गोली, गर्भ निरोधक गोलियाँ, कॉपर 375 380 A, कंडोम
फिक्स डे एप्रोच के तहत प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार या शुक्रवार को परिवार नियोजन की स्थायी विधियां उपलब्ध हैं।
अधिक जानकारी के लिए जिला अस्पताल अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र/ए.एन.एम./सी.एच.ओ./सहिया से सम्पर्क करें।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
104 108
PR- 354570 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26

एक नजर

बिजली की लाचार व्यवस्था में सुधार नही होने पर होगा आंदोलन : राकेश

हजारीबाग : हजारीबाग में लाचार व्यवस्था को लेकर समाजसेवी सह जदयू नेता राकेश गुप्ता मुखर हुए। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिजली विभाग से व्यवस्था में सुधार करने की मांग किया है। कुव्यवस्था पर कई लालछन लगाया है। बिजली विभाग से यथाशीघ्र संज्ञान में लेकर बिजली की व्यवस्था को ठीक करने का मांग किया है। व्यवस्था में सुधार नही होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने संबंधित बिजली विभाग पर सवाल उठाते हुए कहा कि लाख शिकायतों के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकाला जा रहा है। गर्मी के मौसम में नियमित बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है। ट्रांसफॉर्मर समय पर नहीं बदले जा रहे, जर्जर तारों को नजरअंदाज किया जा रहा है, और मामूली बारिश, तेज हवाओं में ही घंटों तक बिजली गुल हो जाती है। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं से तो नियमित बिल वसूला जा रहा है, लेकिन जब सेवा देने की बात आती है, तो विभाग की लापरवाही सामने आ जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आमजन को साथ लेकर आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली की अनियमितता के कारण हजारीबाग जिला वासियों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हजारीबाग : राज्य सरकार द्वारा दिनांक 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिला के सभी पदाधिकारियों सहित अन्य कर्मियों को नशामुक्त भारत बनाने हेतु शपथ दिलाई। तत्पश्चात उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर तीन जागरूकता रथ को रवाना किया। ये तीनों रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और उसके भविष्य को भी नष्ट कर देता है। नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक और शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं। इसे रोकने हेतु जिला प्रशासन सतत प्रयासरत है। उपायुक्त ने वेबिनार के माध्यम से जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को अपने स्तर से नशे के विरुद्ध आवश्यक ठोस कदम उठाने हेतु निर्देशित किया है।

कांग्रेस नेता राजकुमार रजक का आकस्मिक निधन

पश्चिम सिंहभूम : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रख्यात समाजसेवी राजकुमार रजक का मंगलवार की सुबह करीब 7:30 बजे निधन हो गया। उनके निधन से चाईबासा और जिलेभर में शोक की लहर दौड़ गई है। इससे दुखद बात यह है कि एक माह के भीतर उनके परिवार में यह दूसरी मौत है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पश्चिमी सिंहभूम जिला कांग्रेस के महासचिव रहे राजकुमार रजक पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज चाईबासा और मुंबई में चल रहा था। उनका निधन सुबह उनके निवास पर हो गया। उनके सरल स्वभाव, मिलनसारिता और सेवा भावना के कारण वे हर वर्ग में लोकप्रिय थे। राजकुमार रजक महावीर मंडल चाईबासा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में संरक्षक भी थे। इसके अलावा वे बाल मंडली, चाईबासा के भी संरक्षण की भूमिका निभा रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी, नगरवासी और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचने लगे।

बड़कागांव के लचर बिजली व्यवस्था पर विधायक ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा-

जरूरत पड़ा तो बिजली जीएम कार्यालय एवं कोयला ट्रांसपोर्टिंग को भी रोकेंगे : रोशन लाल चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सरकार की लचर व्यवस्था की वजह से आज बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप है । जिसको लेकर मैं लगातार बिजली आपूर्ति विभाग के जीएम सहित अन्य अधिकारियों से लगातार बात कर रहा हूं ताकि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड में बिजली बहाल हो सके। चुकी स्थिति यह है कि इतना भीषण गर्मी में भी बड़कागांव एवं केरेडारी में 5 घंटे से भी कम बिजली आपूर्ति किया जा रहा है वह भी बिल्कुल लो वोल्टेज के साथ जो काफी है दयनीय है। उक्त बातें बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। आगे उन्होंने कहा कि बिजली समस्या को लेकर मैं और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के उपस्थिति में 12 जून को बिजली विभाग के अधिकारियों से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा कर अंतिम अल्टीमेट देने का काम करेंगे। अगर बिजली विभाग के द्वारा 24 घंटे के अंदर बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था ठीक नहीं करती है तो हम सभी बड़कागांव एवं केरेडारी के ग्रामीण जनता मिलकर बिजली विभाग जीएम कार्यालय में ताला बंदी कर आंदोलन पर बैठेंगे।इसके बावजूद भी अगर नहीं सुनता है तो कोयला ट्रांसपोर्टिंग को भी रोकने का जरूरत पड़े तो उसको भी रोकेंगे। यह हम सभी बड़कागांव केरेडारी वासियों के लिए बड़ा दुर्भाग्य की बात है कि हमारे बड़कागांव और केरेडारी के कोयले से भारत का हर महानगर आज बिजली की चक्का चौंद में जी रहा है और हमारा बड़कागांव प्रखंड एवं केरेडारी प्रखंड बिजली के लिए तरस रहा है। बड़कागांव के ग्रामीणों के घरों में रखा टीवी फ्रिज कूलर इत्यादि सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान आज शोभा के वास्तु बने हुए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है किसान अपने खेत में पानी नहीं पटा पा रहे हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि अगर बड़कागांव और केरेडारी को बिजली नियमित रूप से नहीं दिया जग गया तो बड़कागांव से एक भी कोयला बाहर जाने नहीं देंगे चाहे इसके लिए हम सभी ग्रामीण जनता को सड़क पर ही उतरना क्यों ना पड़े क्योंकि विधानसभा की जनता ने मुझे जो दायित्व सौंपा है उनके लिए हम 24 घंटे उनके दुख सुख में तैयार। बड़कागांव, केरेडारी प्रखंड वीडियो को बिजली दिलाने के लिए हमें किस हद तक गुजरना पड़े गुजरने के लिए तैयार है। मौके पर मुख्य रूप से हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, मुखिया सह मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार,भाजपा जिला सचिव जय नारायण प्रसाद मेहता, ओबीसी जिला उपाध्यक्ष डॉ बालेश्वर महतो, मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, कर्मचारी साव,आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, सचिव मनोज दांगी, सह सचिव घनश्याम दांगी, कर्मचारी साव, महेंद्र महतो, नरसिंह प्रसाद, केदार महतो, मनीष पांडे, मनोज सोनी, रामचंद्र महतो, विकाश राज, तुलेश्वर महतो, इंद्रभूषण कुमार, चिंतामणि महतो, शाहिद भाजपा आजसू दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीसी कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर लगभग दो दर्जन फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर उपायुक्त के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। प्रस्तुत समस्याओं में भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि पर्चा (एलपीसी) निर्गत करना, भूमि हड़पने,भू-मुआवजा, रसीद निर्गत करना,बैट्री साइकिल उपलब्ध करने, जन वितरण प्रणाली में दुकान उपलब्ध कराने, मारपीट, गाली-गलौज जैसी शिकायतें शामिल रहीं। चौपारण प्रखंड से गीता देवी ने बैट्री साइकिल उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिए। ग्राम कंडाबेर, केरेडारी से अंजुमति ने सम्बंधित दूसरे पक्षों के द्वारा प्रशासनिक आदेश के बावजूद गृह निर्माण में बाधा पहुंचाने हेतु आवेदन दिए। चौपारण प्रखंड से अनिल कुमार पांडे ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में आउटसोर्सिंग से प्रखंड ऑर्डिनेटर के पद पर चयन के संबंध में आवेदन दिया। बरही प्रखंड से अंबिया देवी ने खरीदी गई जमीन पर सम्बन्धित दूसरे पक्षों के द्वारा जबरन दावा करने के संबंध में उपायुक्त के समक्ष आवेदन समर्पित किया। इचाक प्रखंड से ईश्वर लाल ने दिव्यांगों को भी चौकीदार के पद पर नियुक्ति देने के संबंध में उपायुक्त के समक्ष आवेदन देकर गुहार लगाई। विष्णुगढ़ से साक्षी कुमारी ने राशन कार्ड में नाम जोड़ने के संबंध में उपायुक्त को आवेदन समर्पित किया। ओरिया चुरचू से आतिया देवी ने पारिवारिक पेंशन का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। कुम्हार टोली से राजेश कुमार रजक ने सम्बन्धित दूसरे पक्षों के द्वारा पुश्तैनी जमीन से बेदखल किए जाने के संबंध में उपायुक्त के समक्ष आवेदन समर्पित किया। बाजार रोड, बरकट्ठा से तुकलाल महतो ने अपने प्लॉट के बीचो-बीच दीवार तोड़कर लगे बिजली पोल को हटाने के संबंध में आवेदन दिए। बनासो विष्णुगढ़ से शंभू ठाकुर ने अनुकंपा के आधार पर जन वितरण प्रणाली दुकान उपलब्ध किए जाने के संबंध में आवेदन दिए। भलुआ थाना, बाराचट्टी से रविकांत कुमार ने खरीदी गई जमीन पर जबरन कब्जा करने एवं पूछे जाने पर सम्बन्धित दूसरे पक्ष के द्वारा गाली गलौज व मारपीट किए जाने पर उपायुक्त के समक्ष आवेदन समर्पित कर न्याय के लिए गुहार लगाई।

भारी मात्रा में गोली के साथ एक नक्सली गिरफ्तार

चतरा : पुलिस ने भारी मात्रा में गोली के साथ एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने मंगलवार को कितना प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के टिकदा गांव में अर्जुन गंझू के पास भारी मात्रा में अवैध गोली और हथियार रखा हुआ है। सूचना के बाद सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गई। इसी दौरान टिकदा के अर्जुन गंझू के पास एक लोडेड देशी कट्टा बरामद किया गया। अंदर एक डब्बे में छिपा कर रखा हुआ इंसास राइफल का जिंदा गोली 477 राउंड एवं .303 राइफल का 246 राउंड कुल 723 चक्र जिंदा गोली बरामद किया गया।

विधायक ने नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक से की शिष्टाचार भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा से हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को हजारीबाग परिसदन सभागार में जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधायक ने उन्हें जिले की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यकाल की सफलता की कामना की। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग एक शांतिप्रिय और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण जिला है, जहां के नागरिकों की अपेक्षा है की कानून का राज पूरी सख्ती और निष्पक्षता के साथ लागू हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अंजन के कुशल नेतृत्व में पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और न्यायपूर्ण व्यवस्था की दिशा में ठोस पहल करेगा। भेंट के दौरान विधायक ने जिले में कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से ट्रैफिक व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध की बढ़ती घटनाएं और युवाओं के सामाजिक भटकाव जैसे ज्वलंत विषयों पर ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाना समय की मांग है और इसके लिए पुलिस प्रशासन को संवेदनशील और सजग रहना होगा।

मधुबन डेकोरेशन दुकान में लगी आग, सात लाख का हुआ नुकसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

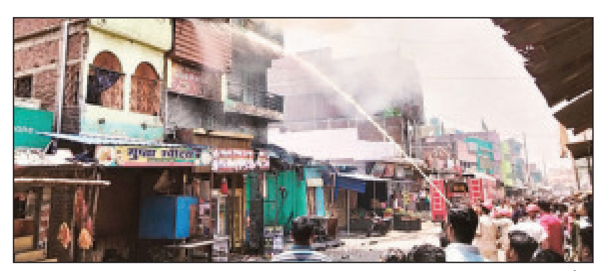

बड़कागांव : मंगलवार की दोपहर 12:00 बजे बड़कागांव मुख्य चौक स्थित 15 नंबर चौक स्थित मधुबन डेकोरेशन में अचानक आग लग गई जिसके कारण लगभग सात लाख रुपया का नुकसान दुकान मालिक को उठाना पड़ा। बड़कागांव गुरु चट्टी निवासी चंदन कुमार ने दुकान में लगी आग को लेकर तुरंत अग्निशामक वाहन को फोन करके बुलाया। त्रिवेणी सैनिक में संचालित चार अग्निशामक वाहन है और आग बुझाने का काम किया। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के दौरान बम पटाखे की जैसी आवाज आ रही थी जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई थी। घटना मधुबन डेकोरेशन मकान के तीसरे तले पर उस वक्त हुआ जब 2 वर्ष से लेकर आठ वर्ष तक के चार मासूम बच्चे आपस में खेल रहे थे। और अचानक आग लग गई। बच्चों ने भाग कर अपनी अपनी जान बचाई अन्यथा बहुत बड़ी हादसा हो सकता था। मकान में लगी आग की लपटे सटे कलू गुप्ता के भी मकान में जा पहुंचा जिससे प्लास्टिक का रखा हुआ कॉर्किट सीट के अलावा कई महत्वपूर्ण सामग्री जलकर नष्ट हो गया। लगभग 50000 का नुकसान हुआ है। आग बुझाने के दौरान कई बुद्धिजीवी लोग सामने आए और आग को जल्द से जल्द बुझाने का प्रयास करते नजर आए। मामले को लेकर मधुबन डेकोरेशन दुकान के प्रोपराइटर प्रहलाद गुप्ता ने कहा कि भारी मात्रा में कई आवश्यक डेकोरेशन की सामग्री जल गई हैं, लगभग सात लाख का नुकसान हुआ है, 300 डेकोरेशन कैंडल बल्ब रखा हुआ था जो फटने के बाद बम और पटाखे की तरह आवाज आ रही थी।

कट ऑफ डेट की मांग को लेकर युवा विस्थापित संघर्ष समिति ने शुरू किया अनिश्चित कालीन महाधरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बडकागांव : एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना में कट अप डेट को लेकर युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा पांच सूत्री मांग को लेकर अनिश्चितकालीन महाधरना शुरू किया गया। धारणा को संबोधित करते पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि कट अप डेट का संशोधन पहले भी हो चुका है एनटीपीसी को गंभीरता के साथ हर हाल में नया कट अप डेट करना होगा, यह युवाओं की भविष्य की सवाल है। पांच सूत्री मांगों में मुख्य रूप से परियोजना द्वारा पूर्ण रूपेण जिस तिथि से जिस गाँव को विस्थापित किया जाय, उस तिथि को उस गाँव के लिए कट अप डेट माना जाय। विस्थापित किये जा रहे परिवार के सदस्यों के लिए कट अप डेट की तिथि में 18 वर्ष से उपर के युवक तथा युवतियों को एकल परिवार माना जाय। विस्थापित परिवार को मिलने वाली एकमुश्त राशि का भुगतान वर्तमान दर से ही निंधारित किया जाय। कट अप डेट की नीति-निधारण के अवसर पर, विस्थापित हो रहे गाँव के प्रतिनिधि को उस समय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाय। एवं परियोजना प्रक्षेत्र से विस्थापित हो रहे युवक तथा युवतियों को अनिवार्य रूप से नौकरी व रोजगार में सर्वप्रथम अवसर प्रदान करने की मांग शामिल है। उपस्थित आंदोलनकारीयों ने कहा कि कट अप डेट का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो कोयला ट्रांसपोर्टिंग, कन्वेयर बेल्ट ,माईनिंग के अलावा अन्य सभी कार्य को रोकेंगे। अनिश्चितकालीन धरना में मुख्य रूप से पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, बटेश्वर मेहता, डॉक्टर मिथलेश कुमार दांगी, नकुल महतो, सुनीता साहू, शंकर भुईया, दिनेश्वर महतो, लखेन्द्र ठाकुर, प्रदीप महतो, नकुल महतो, भोला साव, बिकास महतो, सुरेश कुमार दांगी, हरली, प्रदीप महतो, सलगा, मिथलेश कुमार, विकास कुमार गौंदलपुरा, कैलाश साव, भुनेश्वर प्रजापति, के अलावा भारी संख्या में लोग युवाओं के समर्थन में उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लुरुगा मंडा पूजा व मेला लगने वाली जमीन विवाद को लेकर सीओ को दिया आवेदन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत लूरुंगा गांव में बीते वर्ष की भांति इस साल भी मंडा पूजा का आयोजन किया गया है। लेकिन इस पूजा एवं मेले की जमीन को लेकर एक बड़ी विवाद खड़ी हो गई है। जिस जमीन पर बीते कई वर्षों से मंडा पूजा एवं मेला का आयोजन होता आया है। इस जमीन पर दूसरे लोगों ने अपनी जमीन बता रहे हैं जिसके कारण मंडा पूजा प्रभावित हो रहा है। जबकि कल 12 जून को लूरुंगा में मंडा पूजा होना निर्धारित है। इस मामले को लेकर 3 जून को ग्रामीणों के द्वारा बड़कागांव अंचल में आवेदन देकर समाधान करने की मांग की थी। समाधान नहीं होने के कारण 10 जून को मंडा पूजा में शामिल भगतों एवं ग्रामीणों ने बड़कागांव अंचल कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं को दूर करने की मांग रखा। मामले को लेकर अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि पूजा में किसी प्रकार कोई रुकावट नहीं आएगी दोनों पक्ष को विशेष दिशा निर्देश दिया गया है। मंडा पूजा के बाद मामले का समाधान कर लिया जाएगा दोनों पक्षों को जमीन से संबंधित कागज उपलब्ध कराने को कहा गया है।

विधायक रोशनलाल चौधरी ने बादम मेडिकल एजेंसी का किया गया उद्घाटन

बड़कागांव : प्रखंड स्थित बादम गांव में आज बस स्टैंड के समीप 'बादम मेडिकल एजेंसी' स्टोर का विधायक रोशन लाल चौधरी द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। मौके पर डॉ विकास कुमार ने विधायक को माला पहनाकर स्वागत किया। स्टोर प्रोपराइटर संजय कुमार तथा सुरेंद्र कुमार ने बताया स्टोर खोलने का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में प्रैक्टिशनर, डॉक्टर को सुविधा प्रदान करना है तत्काल स्थिति में उन्हें जरूरत का दवा एंव सामग्री उपलब्ध नहीं हो पाती थी जो अब सप्ताह के 7 दिन एंव दिन के 24 घंटा यह सेवा में उपलब्ध रहेगी। मौके पर उपस्थित गौतम वर्मा, भागीरथ ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मिडिया प्रभारी अनुप कुमार सिंह, मुरली कुमार दांगी, अर्जुन साव, राजा खान, विनोद राम, बबलू पासवान, विष्णु गुप्ता, चंद्रदेव राम, अनिल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नायाटाड़ पंचायत में सड़क पर निकला सरिया सड़क दुर्घटना को दे रहा निमंत्रण

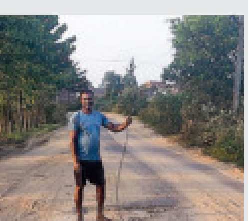

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत नाया टाड़ पंचायत के लोडर गढ़ करम चौक के पास सड़क पर निकला सरिया सड़क दुर्घटना को दे रही है। निमंत्रण यह रोड बड़कागांव से सीधे राजधानी को जोड़ने वाली सड़क है। इसी रोड से सारे प्रतिनिधि आवागमन करते हैं लेकिन किसी की ध्यान इस पर नहीं जाती है या सरिया एक दिन बहुत बड़ा दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। क्योंकि इसी सड़क से बड़े-बड़े वाहनों का अवगमन होता है। जिस कारण से सडक पर बनी पुलिया कि उपरी परत टुट जाने के कारण पुल के ऊपर लगा सरिया बाहर निकल आई है। अति शीघ्र इस सरिया को ढाका जाए।

उपायुक्त ने एनटीपीसी खनन परियोजना के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हजारीबाग : मंगलवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में एनटीपीसी के तीन कोल परियोजना केरेंडारी,पकरी बरवाडीह एवं बादम के वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। यह बैठक उपायुक्त के आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक में उक्त परियोजनाओं के कार्यों तथा खनन परियोजना के विभिन्न अवयवों की जानकारी ली तथा परियोजनाओं के संचालन संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, जिला भू अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार एवं संबंधित प्रखंड के अंचलाधिकारी मौजूद थे।

शहीद रामधनी मंडल का 44वां शहादत दिवस मनाया गया

विष्णुगढ़ : मंगलवार को झामुमो विष्णुगढ़ प्रखंड समिति के द्वारा शहीद रामधनी मंडल का 44वां शहादत दिवस उनके पैतृक गांव ग्राम बंदखारो में मनाया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव चौधरी ने कहा कि शहीद रामधनी मंडल, साधु, सैनाथ, शनिचर महतो स्व टेकलाल महतो के सच्चे साथी थे। वे लोग झारखंड अलग राज्य आंदोलन में टेकलाल बाबू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले थे शहीद रामधनी मंडल सामन्तवादियों द्वारा किये जा रहे शोषण के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद करते रहे और अपने क्षेत्र में गरीब गुरबों की आवाज बनकर काम करते रहे। हजारीबाग जिला सोशल मीडिया प्रभारी संजय पटेल ने कहा कि शहिद रामधनी मंडल इस क्षेत्र की जनता के लिए हमेशा समर्पित थे और आम जनों की लड़ाई लड़ते लड़ते शहीद हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा उनके पहचान और विरासत को कभी मिटने नहीं देगी। हजारीबाग जिला सोशल मीडिया संतोष पटेल ने कहा कि शहीद रामधनी मंडल अपने क्षेत्र में गरीब गुरबों की आवाज बन कर रहे। स्व. टेकलाल महतो के साथ शहीद रामधनी मंडल ने झारखंड अलग राज्य आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया आज भी उनकी कमी हमलगों को खलती है। इस अवसर पर सबों ने बारी बारी से शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष देवी राम हेमरम सोशल मीडिया प्रभारी संजय पटेल,संतोष पटेल, शेखर महतो, विनोद महतो, मोहन महतो , नीलकंठ महतो सुरेन्द्र मंडल समेत कई लोग उपस्थित थे।

दो करोड़ रोजगार देने का था वादा, बना दिया दो करोड़ को बेरोजगार : झामुमो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने बीते 11 वर्षों में लोगों का रोजगार छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कई आपदाएं आई। सिर्फ रोजगार देने की बात करें तो पता चलता है कि देश में पहले जहां बेरोजगारी दर 5.5 प्रतिशत थी। वहीं यह बढकर 9.6 प्रतिशत पहुंच गई। सुप्रियो मंगलवार को पार्टी के हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से प्रतिवर्ष दो करोड़ लोगों को रोजगार देने के दावा किया जाता था, लेकिन इसके उलट प्रतिवर्ष दो करोड लोगों को बेरोजगार बना दिया गया। यह केन्द्र सरकार की बीते 11 सालों की कार्य उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि देश में जहां प्रतिवर्ष बेरोजगारों की संख्या बढ़ती गई। वहीं अडानी अंबानी जैसे लोगों को लाभ दिलाने का काम किया गया। नोटबंदी की बात हो या फिर कोरोनाकाल या फिर हाल के दिनों में हुए पहलगाम आतंकी हमला। हर मोर्चे पर केन्द्र सरकार विफल साबित हुई है। अब पूरे देशभर में केन्द्र सरकार की कार्य उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का एक नया उत्सव चल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार जब एनडीए सरकार का गठन हुआ था। उस समय ही झामुमो ने एनडीए सरकार को देश के लिए घातक बताया था। इसलिए जब से सरकार का गठन हुआ है तब से देश की आर्थिक सामाजिक क्षति के साथ और कोई न कोई आपदा आ रहा है। भट्टाचार्य ने कहा कि देश की युवाओं को रोजगार से दूर रखकर युवाओं के साथ खिलवाड किया गया। किसान खुदकुशी करने के लिए मजबूर हैं। बेरोजगारी बढ़ी हुई है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता सिर्फ और सिर्फ अबकी बार मोदी सरकार का नारा देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कालाधन वापस लाएंगे कहकर लोगों के खाते में 14-14 लाख रूपए देने के दावे किए गए थे। सुप्रियो ने कहा कि जब देश में नोटबंदी हुई तो देश में हहाकार मच गया। नोटबंदी के नाम पर रोजाना हजारों लोगों को लाईन में लगकर खड़े होते देखा गया। इसका परिणाम रहा कि जो मजदूर हर दिन मजदूरी कर नकद कैश में काम करते थे। उनका काम नोटबंदी के बाद बंद हो गया। पूर्व में जो डॉलर साठ रूपए का था वह आज 86 रूपए में मिल रहा है। देश में उद्योग घटा गए हैं और बेरोजगारी दर बढ़ गई है। सोने की कीमतों में भारी उछाल हुआ है। डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ गए। महंगाई चरम पर है और भाजपा के नेता देश में केंद्र सरकार की झूठी तारीफ करने से नहीं चूक रहे हैं।

एक नजर

राजद सुप्रीमो का जन्म दिन आज मनाएंगे कार्यकर्ता

रांची : राजद सुप्रीमो लालू यादव का 78 वां जन्मदिन पार्टी कार्यालय में बुधवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्नं जिलों में अध्यक्ष, महानगर और प्रकोष्ठों के अध्यगक्ष अपने जिले के गांवों में फल, कपडे और कॉपी-किताब का वितरण करेंगे। यह जानकारी पार्टी के महासचिव कैलाश यादव ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय में इस अवसर पर 78 पाउंड का केक काटा जाएगा। यादव ने बताया कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का जन्म 11 जून 1948 को गोपालगंज के फुलवरिया गांव में हुआ था।

झारखंड में 15 तक रहेगी धूप और बारिश की स्थिति

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में 15 जून तक धूप और बारिश की मिली जुली स्थिति रहेगी। मौसम विभाग ने बताया कि इस दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 30-40 किमी प्रति घण्टे से हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। विभाग ने 14 और 15 जून को राज्य के राज्य के कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। पिछले 24 घंटे के दौरान पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में 16.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि रांची में इस दौरान 12.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज में 40.1 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के नामकुम में 22 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान में 34.1 डिग्री, जमशेदपुर में 36.7, डालटेनगंज में 41.6, बोकारो में 38.1 और चाईबासा में तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड के आठ आईपीएस अधिकारियों को मिला अतिरिक्त प्रभार

रांची : झारखंड के आठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस संबंध में मंगलवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से अधिसूचना जारी की गयी है। अधिसूचना में कहा गया है कि जिन आईपीएस अधिकारियों को अपने पद के अलावा अतिरिक्त पद का प्रभार दिया गया है, वे उस पद पर नियमित पदस्थापन होने तक उस पद का भी कार्य देखेंगे। इन अधिकारियों को मिला प्रभार- नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) धनबाद, ऋत्विक श्रीवास्तव को रेल एसपी धनबाद का अतिरिक्त प्रभार। - जमशेदपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग को रेल एसपी जमशेदपुर का अतिरिक्त प्रभार। झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) 10 कमांडेंट सौरभ को जैप 1 कमांडेंट का अतिरिक्त प्रभार। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) धनबाद कपिल चौधरी जैप तीन कमांडेंट का अतिरिक्त प्रभार। जामताड़ा पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजकुमार मेहता को इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) 1 का अतिरिक्त प्रभार। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) तीन का अतिरिक्त प्रभार। गुमला पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरीश बिन जमा को इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) 5 का अतिरिक्त प्रभार। गोड्डा पुलिस अधीक्षक (एसपी) मुकेश कुमार इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) 8 का अतिरिक्त प्रभार।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर रोक, 6 अगस्त को चाईबासा कोर्ट में सशरीर पेशी का आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता और संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही उन्हें 6 अगस्त को चाईबासा की विशेष अदालत में सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया गया है। इस निर्देश के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई अगली सुनवायी तक स्थगित कर दी है। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने मंगलवार को गैर जमानतीय वारंट को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की क्रिमिनल क्वैसिंग याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने राहुल गांधी के अधिवक्ता का पक्ष सुनने के बाद उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि प्रार्थी 6 अगस्त को विशेष अदालत में सशरीर उपस्थित होंगे। इसे देखते हुए तब तक गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाती है। यह निर्देश देने के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। अदालत ने 6 अगस्त को चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में राहुल गांधी को पेश होने का आदेश दिया है। दरअसल, यह मामला वर्ष 2018 का है। 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके खिलाफ भाजपा नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा की अदालत में मानहानि का मुकदमा किया। सुनवाई के बाद चाईबासा की अदालत ने राहुल गांधी को 26 जून 2025 को पेश होने का आदेश दिया। इसके खिलाफ राहुल गांधी ने झारखंड उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उनके वकील की ओर से अदालत में याचिका दायर की गयी, जिसमें कहा गया था कि चाईबासा कोर्ट ने उनकी व्यक्तिगत पेशी से छूट की अर्जी पर विचार नहीं किया और गैरजमानती वारंट जारी कर दिया है।

उपायुक्त के निर्देश पर रांची जिला के 1614 हैंडपंप की हुई मरम्मती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार रांची जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मती का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त के पास आए हैंडपंप की शिकायत, मुखिया के पास सीधे प्राप्त शिकायत, एप के माध्यम से प्राप्त शिकायत और अबुआ साथी से प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए हैंडपंप की मरम्मति की गई। उपायुक्त के निर्देश पर रांची जिला के कुल 7 प्रखंडों में अनगड़ा-296, ओरमांझी-297, सिल्ली -214, बुंडू- 158, सोनाहातु-211, राहे-197, तमाड़-241 समेत कुल 1614 प्रखंड में खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मती की गई। दरअसल, उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने गर्मी में लोगों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े इसे लेकर जिला के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े हैंडपंप की जल्द से जल्द मरम्मती के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त की ओर से कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र को इस संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिये गये हैं। साथ ही शहरी क्षेत्रों में भी पाना की किल्लत का सामना कर रहे इलाकों में टैंकर से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश उपायुक्त की ओर से दिया गया है।

अपनी विफलताओं पर पीठ थपथपाना भाजपा के नेताओं की योग्यता है : कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा आज रांची में संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गिनाने पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने तंज कसते हुए कहा कि इन 11 वर्षों में भाजपा ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही पोती है और अब वही पार्टी अपनी उपलब्धियां गिना रही है। इन वर्षों में न कोई जवाबदेही रही, न कोई सकारात्मक बदलाव आया, सिर्फ प्रधानमंत्री द्वारा अपना प्रचार-प्रसार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या देश की जमीन पर विदेशी अतिक्रमण, अमेरिका के सामने झुकना, ऐतिहासिक विदेशी कर्ज का बोझ, विफल विदेश नीति के कारण भारत का अलग-थलग पड़ना, मणिपुर में दो वर्षों से जारी अराजकता, ये सब भाजपा की उपलब्धियां हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सेना के पराक्रम को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना कोई उपलब्धि है? क्या भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देना, देश की संपत्तियों को पूंजीपति मित्रों को सौंप देना और फिर अपनी पीठ थपथपाना भाजपा की आदत बन चुकी है? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण न केवल रोजगार के अवसर कम हुए हैं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों में भी कटौती हुई है। कमलेश ने कहा कि मोदी के 11 साल देश के लिए सबसे कठिन और आम जनता के लिए सबसे पीड़ादायक रहे हैं। आज तक देश में इतना असफल और जुमलेबाज प्रधानमंत्री कोई और नहीं हुआ।

कांग्रेसी मंत्री का बयान दलित समाज के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा : नायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपरोक्त बातें आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी वरिष्ठ दलित नेता विजय शंकर नायक ने कांग्रेसी मंत्री राधाकृष्ण किशोर के बयान कि दलित समाज की स्थिति आदिम जनजातियों से भी बदतर है पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही। इन्होने आगे बताया कि यह बयान दलित समुदाय के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। झारखंड की जागरूक जनता के सामने हम राधाकृष्ण किशोर, झामुमो-कांग्रेस गठबंधन के वित्त मंत्री, के उस कपटपूर्ण और बेशर्म बयान की निंदा करते हैं, जिसमें उन्होंने साढ़े छह साल की सत्ता की लूट के बाद अचानक दलितों के लिए नकली आंसू बहाते हुए उनकी स्थिति को आदिम जनजातियों से भी बदतर बताया। यह बयान दलित समुदाय को ठगने, उनके जख्मों पर नमक छिड़कने और आगामी चुनावों में वोट की डकैती करने की एक गंदी साजिश है। हम इस प्रेस बयान के जरिए राधाकृष्ण के इस ढोंग की धज्जियां उड़ाते हैं और झामुमो-कांग्रेस सरकार का पोल खोलने और उनके पाखंड को बेनकाब करने के लिए साढ़े छह साल का काला सचः दलितों समाजके सामने रखते है। नायक ने आगे कहा कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय को हर क्षेत्र में रौंदा, अपमानित किया और हाशिए पर फेंका। राधाकृष्ण किशोर का तथाकथित दलित प्रेम एक सस्ता, गंदी और सियासी तमाशा है, जो उनकी सरकार की घृणित नाकामियों को छिपाने और दलित वोटों की खरीद-फरोख्त करने का हथकंडा है। इस सरकार की दलित विरोधी साजिशों को चीख-चीखकर बेनकाब करते हैं इन्होने उदाहरण देते हुए कहा कि चौकीदार भर्ती में दलितों का हक लूटा गया झारखंड में चौकीदार भर्ती में संवैधानिक 12% एससी आरक्षण को बेशर्मी से कुचल दिया गया। 2020-2024 तक 12,500 चौकीदार पदों पर भर्ती में एक भी दलित को जगह नहीं दी गई। यह संविधान पर थूकने और दलित युवाओं के रोजगार के हक को लूटने की खुली डकैती है। राधाकृष्ण जी आपका दलित प्रेम इस लूट में कहां था? नियुक्तियों में आरक्षण की चोरीः झारखंड लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग (ररउ) में दलितों के लिए आरक्षित 2,000 से अधिक पद खाली पड़े हैं।

नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड को नशामुक्त बनाने के उदेश्य से मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार के निर्देश पर चार दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। साथ ही इस अवसर पर सिविल सर्जन कार्यालय सभागार से जागरूकता रैली निकाली गई। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार के निर्देश पर नशामुक्त रांची बनाने के लिए यह जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम का नेतृत्व डीटीओ डॉ एस बास्की ने किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात ने कहा कि रांची जिला के साथ पूरे राज्य को नशा मुक्त बनाने के साथ-साथ निषिद्ध मादक पदार्थों के उपयोग को रोकने के लिए उठाया गया एक सकारात्मक कदम है। इसका मुख्य संदेश समाज को नशा मुक्त करने के साथ-साथ एक स्वस्थ जीवन जीने को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि इसके तहत राज्य के हरेक व्यक्ति को नशे की लत से मुक्त कर के इसके दुष्प्रभाव से बचाना और उसे एक स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाने का लक्ष्य है। मौके पर डॉ एस बास्की ने कहा कि मादक द्रव्यों का सेवन एक गंभीर मुद्दा है जो व्यक्ति, परिवारों और पूरे समाज को प्रभावित करता है। नशीली दवाओं के सेवन के परिणाम गंभीर हैं। इसमें स्वास्थ्य समस्याओं से लेकर कानूनी मुद्दे और सामाजिक अलगाव तक शामिल हैं। जिला परामर्शी टोबैको कंट्रोल सेल रांची के सुशांत कुमार ने बताया की नशे की लत से मुक्ति पाने में शिक्षा और जागरूकता की अहम भूमिका होगी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह ने नशा से व्यक्तियों के जीवन के पनपे हरेक पहलूओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति एक महत्वपूर्ण साधन है जो व्यक्तियों को नशे से मुक्त करता है। और उन्हें समृद्ध, स्वस्थ और सामाजिक बनने में सक्षम बनाता है। ताकि लोगों को एक खुशहाल जीवन मिल सकता है। जागरूकता रैली में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह, जिला कंसल्टेंट टोबैको कंट्रोल सेल के सुशांत कुमार, नीरज कौसिक, टाटा कैंसर केयर हॉस्पिटल सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए उपायुक्त ने रवाना किया वाहन

रांची : नशे के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के तहत उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरुकता वाहन के जरिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों बाजार-हाट, प्रमुख चौक-चौराहों में लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिलावासियों को नशे से दूर करने के लिए खुद जागरूक रहते हुए दूसरों को भी जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि 10 से 26 जून तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के तहत कार्यशाला और पर्यटन स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मौके पर उपायुक्त ने समाज के सभी वर्गों से नशामुक्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करने की अपील की। ताकि इस समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। इस दौरान जिला नजारत उप समाहर्ता, सीडीपीओ और जिला समाज कल्याण कार्यालय के कई कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

स्मृति ईरानी ने राज्यपाल से की मुलाकात

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की। जानकारी के अनुसार इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन से इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया है।

सरना कोड नहीं देना केंद्र का आदिवासियों से अन्याय : डॉ तनुज खत्री

रांची : झामुमो के केंद्रीय सदस्य सह प्रवक्ता डॉ तनुज खत्री ने रांची पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मिता ईरानी के बयानों पर पलटवार करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी झारखंड की धरती पर आकर केंद्र सरकार की कार्य उपलब्धियों को बता रही हैं वह निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि सही मायने में केंद्र सरकार आदिवासियों के हक अधिकार की बात करती है तो उसे सबसे पहले आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड लागू करना चाहिए। खत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरन के नेतृत्व में विधानसभा से पारित कर सरना धर्म कोड को केंद्र सरकार को भेजा गया है। लेकिन अब तक इसपर केंद्र सरकार ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अब तक सरना धर्म कोड पास नहीं कराना सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और पहचान के साथ किया गया सुनियोजित अन्याय है। उन्होंने कहा कि देशभर के किसान सड़कों पर उतर आए। कई किसानों की जान चली गई, लेकिन इसपर कोई चर्चा नहीं की जाती है।

समर्पण शाखा के रक्तदान शिविर का किया आयोजन

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में रक्तदान पखवाड़ा के अंतर्गत दूसरे रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार को किया। यह आयोजन पेबल बे सोसाइटी रांची में किया गया। शिविर में कुल सात यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। संस्था की रक्तदान प्रभारी पायल जैन, संयोजिका कोमल पोद्दार, रोजी खंडेलवाल ने पूरे कार्यक्रम को संचालित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया और रक्तदान के महत्व को समझाया गया। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया। साथ ही रक्तदाताओं को जूस और फल भी दिया गया। यह शिविर सेवा सदन के चिकित्सकों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, रोजी खण्डेलवाल, आशा संथालिया, चंद्रकला, हेमा पोद्दार, लक्ष्मी पोद्दार सहित अन्य सदस्य मौजूद थीं।

157वां श्री सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 157वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। विद्यावान गुणी अति चातुर राम काज करीबे को आतुर के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। शिवेंद्र प्रताप सिंह ने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । शिवेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। रेखा नारसरिया एवं श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपमंत्री अनिल नारनौली शिवेंद्र प्रताप सिंह वंदना स्वेता सिंह कृष्णा अग्रवाल हर्ष कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस ने किया 30 सोशल मीडिया चेयरमैन की नियुक्त

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत के अनुमोदन पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अनुसार विभिन्न जिलों के 30 सोशल मीडिया चेयरमैन की नियुक्ति कर दी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन गजेन्द्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोशल मीडिया के जिला चेयरमैन की चयन प्रक्रिया के लिए छह से आठ मई को साक्षात्कार का आयोजन हुआ था। इसमें कई लोगों का साक्षात्कार हुआ था। पार्टी की ओर से जिन लोगों का चयन किया गया है उनमें रांची ग्रामीण से जगदीश चन्द्र महतो, रांची महानगर से जफर इमाम, खूंटी से सुनीता गोप, सिमडेगा से रंधीर रंजन, गुमला से केदार नाथ साहु, लोहदगा से अशलम अंसारी और प्रकाश उरांव, हजारीबाग से उदय केशरी और मनोहर यादव, गिरिडीह से चांद रशीद और शिवम सेठ, चतरा से जुल्कार नैन, रामगढ़ से कमलेश कुमार महतो, धनबाद से वशीम अहमद और देवेन्द्र पासवान, बोकारो से अफाक आलम, कोडरमा से भोला दास, पलामू से अशीष शुक्ला, गढ़वा से मौशहिद हुसैन, लातेहार से राजेश ठाकुर, पूर्वी सिंहभूम से राज कुमार वर्मा, पश्चिमी सिंहभूम से रवि कच्छप, सरायकेला-खरसांवा से प्रकाश महतो, दुमका से कुंदन यादव, साहेबगंज से नेहाल अख्तर, गोड्डा से इफ्तेकार अंसारी और आत्मा पांडे, देवघर से अमित पांडे, पाकुड़ से पियारूल इस्लाम, जामताड़ा से जियाउल रहमान का चयन किया गया।

बोकारो की साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियां पुनर्जीवित करने में सबका सहयोग जरूरी : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिले के नवपदस्थापित उपायुक्त अजयनाथ झा से मिलकर उनका मिथिला परंपरा के अनुसार स्वागत एवं अभिनंदन किया। परिषद के पदाधिकारियों ने सर्वप्रथम उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर बोकारो में उनकी पदस्थापना पर स्वागत किया तथा मैथिल परंपरा का प्रतीक पाग पहनाकर तथा डोपटा ओढ़ाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उपायुक्त श्री झा की पदस्थापना के साथ ही उनकी अतुलनीय कार्य प्रणाली को लेकर

प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके लिए उन्हें बधाई दी। खास तौर से गांव-गांव में स्वयं घूम-घूमकर लोगों से मिलना, उनकी समस्याओं का निदान करना और बोकारो की खोई हुई सांस्कृतिक, कलात्मक तथा साहित्यिक गरिमा को पुनर्जीवित करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को परिषद ने अत्यंत सराहनीय बताया। बातचीत के क्रम में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से उपायुक्त ने कहा कि बोकारो देश की प्रमुख इस्पातनगरी के साथ-साथ बौद्धिक नगरी भी है। वह स्वयं चाहते हैं कि बोकारो में एक बार फिर से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों को गति मिले। इस दिशा में मिथिला के साथ-साथ सभी समाज के लोगों की भूमिका एवं उनका सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से समृद्धि विकास के दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं गंभीर हैं। वह इसी शहर से हैं और उनका भी स्पष्ट कहना है कि बोकारो में कला, संस्कृति तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जाएं। इस दिशा में उपायुक्त ने अपनी ओर से हरसंभव प्रयास किए जाने का भरोसा दिया। परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने भी इस उद्देश्य की पूर्ति में अपने पूर्ण सहयोग की कटिबद्धता जताई। मौके पर प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिथिला सांस्कृतिक परिषद के निदेशक मंडल के संयोजक राजेंद्र कुमार, निदेशक मंडल सदस्य विजय कुमार झा, परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी, महासचिव नीरज चौधरी सहित मिहिर कुमार झा, अविनाश झा, दिलीप कुमार झा, अरुण पाठक, अमन कुमार झा, विजय शंकर मल्लिक आदि मौजूद रहे।

जगन्नाथ मंदिर में आज होगा महाप्रभु जगन्नाथ का महास्नान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर चार स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में 11 जून को महाप्रभु जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का महास्नान अनुष्ठान भव्यता के साथ आयोजित होगा। इस दिन तीनों विग्रहों को 108 घड़ों के जल से स्नान कराया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और 15 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाते हैं। इस दौरान मंदिर के कपाट बंद रहेंगे और देवताओं का जड़ी-बूटियों से उपचार किया जाएगा। रथ यात्रा से एक दिन पूर्व, 26 जून को नेत्रोत्सव अनुष्ठान होगा, जिसमें भगवान का विशेष श्रृंगार कर पहली बार भक्तों को दर्शन दिए जाएंगे। 27 जून को मंदिर परिसर से भव्य ऐतिहासिक रथ यात्रा निकाली

जाएगी, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं। 11 जून को सुबह मंगल आरती के बाद स्नान यात्रा की शुरूआत होगी और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। नेत्रोत्सव और एकांतवास का गहरा आध्यात्मिक महत्व है, जो भगवान के कायाकल्प और पुनर्जन्म के प्रतीक माने जाते हैं। रथ यात्रा से पूर्व ये अनुष्ठान आयोजन की महत्वपूर्ण प्रस्तावना हैं, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

+2 शिक्षक संघ ने उपायुक्त से मुलाकात कर दीं शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड +2 शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो के प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो के नवपदस्थापित उपायुक्त अजय नाथ झा से उनके कैंप दो स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की एवं उनको नूतन भूमिका के लिए सहृदय शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधियों ने उपायुक्त महोदय का औपचारिक रूप से स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को शिक्षा के क्षेत्र में शत-प्रतिशत योगदान देने का भरोसा दिया। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल से पूरी निष्ठा से कर्तव्य निर्वहन करने की अपेक्षा की। प्रतिनिधिमंडल के तरफ से झारखण्ड +2 शिक्षक, बोकारो के सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने उपायुक्त महोदय

को विश्वास दिलाया कि शिक्षा एवं छात्र हित में झारखण्ड +2 शिक्षक संघ सदैव पूरी निष्ठा से तत्पर रहेगा। इधर, संघ की बैठक सिटी पार्क, बोकारो में संपन्न हुई जहां सर्वसम्मति से दिनांक रविवार को झारखण्ड +2 शिक्षक संघ, बोकारो ने झारखण्ड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा आयोजित वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा,2025 में जिला स्तर पर टाप टेन स्थान प्राप्त करने वाले सरकारी +2 उच्च विद्यालयों के सभी टापर्स को सम्मानित करने का निर्णय लिया। संघ ने विभिन्न संकायों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले सभी +2 उच्च विद्यालयों के शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र प्रेषित कर सम्मानित करने का फैसला लिया है। मौके पर संयुक्त सचिव डॉ शक्ति पद महतो, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार,उप संगठन मंत्री मुकेश कुमार यादव एवं विद्यालय प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

उपायुक्त व एसएसपी ने किया नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारीआदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने आज समाहरणालय परिसर से नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां गुटखा एवं पान मसाला पर प्रतिबंध लगा है। उन्होंने कहा धनबाद के युवाओं को नशा से दूर रखने और उसपर रोक लगाने के लिए जागरूकता रथ को रवाना किया है। रथ अगले दो सप्ताह तक जिले के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को हर तरह के नशा से दूर रहने के लिए जागरूक करेगा। उपायुक्त ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा वृहद रूप से अभियान चलाया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र में इसका कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के सभी थाना को स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र के आसपास सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों से पुलिस को गुप्त रूप से इसकी सूचना देने का भी अनुरोध किया।

तलगड़िया में कंपनियों द्वारा किसानों के जबरन जमीन अधिग्रहण पर रोक लगाए सरकार : सुफल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा किसान मुद्दों पर तलगड़िया में किसान कन्वेंशन कैलाश चन्द्र दसंधी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। किसान कन्वेंशन को संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा तलगड़िया में कंपनियों द्वारा किसानों से जबरन जमीन अधिग्रहण पर रोक लगाएं वरना बड़ा किसान आन्दोलन होगा। तलगड़िया में अवेलनेचुरल गैस कारपोरशन आफ इंडिया द्वारा जबरन जमीन लूट से किसान त्रस्त है, किसानों के सहमति के बिना टेरेंच काटा जा रहा है।यह अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर अत्याचार है। जबकि 2013 का जमीन अधिग्रहण में स्पष्ट है कि 80 प्रतिशत किसानों की सहमति के बिना जमीन अधिग्रहण नहीं होगा तथा बाजार दर से 4 गुणा किसानों को दाम जरूरी सर्त है। झारखंड राज्य किसान सभा उक्त

मुद्दों पर राज्यव्यापी आन्दोलन का आव्हान किया है। मोदी सरकार द्वारा नयी केन्द्रीय कृषि बाजार नीति किसानों के लिए मौत की घंटी है, सरकारी किसान गोदाम बन्द कर कारपोरेट गोदाम खोलने का नापाक इरादे के खिलाफ तीखा विरोध जरूरी है, सरकारी गोदामों के धान, चावल के रूप में राशनकार्ड धारियों को मिलता था, कारपोरेट गोदाम के धान अपने मुनाफे के लिए चावल तैयार करेंगे। 13 माह चली किसान आन्दोलन ,750 किसानों की शहादत के पश्चात तीनों कृषि कानून रद्द करते हुए मोदी सरकार ने तीन माह के अन्दर एम् एस पी की कानूनी गारंटी का लिखित समझौता किया था जो आज तक लागू नहीं हुआ।

बोकारो में मोबाइल टावर बैटरी चोरी कांड का खुलासा, 112 बैटरियां बरामद, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले में एयरटेल, जियो और बीएसएनअल टावरों से बैटरी चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चास (मु०) थाना क्षेत्र के ग्राम धन्डाबर में 2 जून 2025 को एयरटेल टावर से बैटरी चोरी की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 जून 2025 को कांड संख्या 74/2025, धारा 303(2) बी एन एस के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर गठित टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी की। चोरी की गई बैटरियाँ धनबाद के कबाड़ी अनश उर्फ जावेद की दुकान से बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपी धर्मेन्द्र कुमार (35 वर्ष, निवासी औरंगाबाद, बिहार, वर्तमान धनबाद) ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके पास से कुल 112 बैटरियाँ (मूल्य लगभग ?6,83,000), चोरी में प्रयुक्त मारुति सुजुकी सेलेरियो कार (जे एच 10 बीई 8665), औजार, मोबाइल फोन आदि बरामद किए गए। टीम में थाना प्रभारी प्रकाश मंडल समेत पुलिस बल, तकनीकी शाखा और जैप के जवान शामिल थे। आरोपी पर बोकारो व आसपास के थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अन्य संलिप्त अपराधियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पिछले कुछ महीनों में बोकारो में चोरी और स्नैचिंग की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे पुलिस सतर्कता और कार्रवाई तेज कर रही है।

एक नजर

नशा मुक्ति के लिए प्रभात फेरी और शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

बोकारो : निषिद्ध मादक पदार्थों को रोकने एवं जागरूकता कार्यक्रम में जिला स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त प्रभारी सहित दो अन्य वरीय शिक्षकों प्रशांत चंद्र , बबलू कुमार दास एवं रेखा कुमारी द्वारा अपने विद्यालय प्लस टू उच्च विद्यालय चंदनक्यारी में आज दिनांक 10 जून 2025 को विद्यालय के पोषक क्षेत्र में निषिद्ध पदार्थों के दुरुपयोग रोकने एवं जागरूकता हेतु प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। विद्यालय में असेंबली के दौरान इन शिक्षकों द्वारा बच्चों को नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया गया तथा बच्चों को जीवन में कभी नशा नहीं करने तथा दूसरों को भी नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के शौचालय में मिली शराब, आरपीएफ ने जब्त की 20 बोतलें

बोकारो : मंगलवार को बोकारो रेलवे स्टेशन पर एक बड़ी कार्रवाई के दौरान आरपीएफ ने ट्रेन के शौचालय से अवैध शराब की 20 बोतलें बरामद की हैं। यह कार्रवाई बी शिफ्ट के स्टेशन अधिकारी एएसआई परितोष कुमार झा के नेतृत्व में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एएसआई परितोष कुमार झा को शिकायतकर्ता जिलानी अंसारी द्वारा संदर्भ संख्या 2025061004654 के तहत लगभग 1:12 बजे सूचना दी गई थी कि प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी ट्रेन संख्या 13351 (अलपुझा एक्सप्रेस) के कोच नंबर बी–5 के शौचालय के डस्टबिन में शराब से भरे काले रंग के पॉली बैग रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम मौके पर पहुंची और दोनों शौचालयों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बी–5 कोच के दोनों शौचालयों के डस्टबिन में कुल 4 नग काले रंग के पॉली बैग मिले, जिनमें कुल 20 नग (प्रत्येक 180 मिली.) स्टर्लिंग रिजर्व बी 7 ब्रांड की शराब की बोतलें थीं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 3800 रुपये आंकी गई है। मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। शराब के मालिक का पता लगाने की कोशिश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद जब्त की गई शराब को आरपीएफ पोस्ट बीकेएससी लाया गया और सभी कानूनी औपचारिकताओं के बाद इसे आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग (एक्साइज/बोकारो) को सौंपने की प्रक्रिया जारी है।

स्टील प्रबंधन और बिजली विभाग की टीम की कड़ी कार्रवाई, सैकड़ों मीटर तार हटाए गए

बोकारो : स्टील बिजली विभाग के अधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में आज सेक्टर 4-बी क्षेत्र, गुमला कॉलोनी में अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। इस अभियान में करीब 4000 मीटर अवैध बिजली तारों को हटाया गया, जिससे शहर में बिजली चोरी के कई नेटवर्क ध्वस्त हो गए। इस कार्रवाई से आवासीय धारकों को वोल्टेज की समस्या से बहुत राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि अवैध कनेक्शन हटने से बिजली की गुणवत्ता में सुधार होगा और पावर चोरी के कारण होने वाली तकनीकी दिक्कतें भी कम होंगी। बोकारो स्टील प्रबंधन और बिजली विभाग की टीम लगातार अवैध कनेक्शन और बिजली चोरी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है, जिसमें अब तक सैकड़ों मीटर तार हटाए जा चुके हैं ।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन सिंदूर से लौटे गोमो के वीर सैनिक को भाजपा नेता अजय कुमार सिंह ने किया सम्मानित

धनबाद : टुंडी विधानसभा के गोमो काली पाड़ा निवासी, बीएसएफ जवान राजेश कुमार जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू-कश्मीर के आर एस पुरा सेक्टर में कर्तव्य का निर्वाहन करते अदम्य साहस का प्रदर्शन किया एवं पाकिस्तान के सैनिकों से लोहा लेते हुए घायल हो गए थे, इलाज के पश्चात कुशलतापूर्वक घर लौटने पर उनके आवास पर आज भाजपा नेता अजय कुमार सिंह ने फूलमाला एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके गोमो मंडल मंत्री राकेश सिंह , द चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष धीरज कुमार, अमर कुमार , विनय सिंह व अन्य उपस्थित थे ।

बीसीसीएल व जेरेडा की पहल, बेलगड़िया के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू

धनबाद : सिंदरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बेलगड़िया कॉलोनी में सोमवार को बीसीसीएल व जरेडा प्रबंधन ने दो नि:शुल्क बस सेवाओं की शुरूआत की। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। यह पहल बैलगड़िया कॉलोनी में रह रहे विस्थापित परिवारों के आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि विस्थापित परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और हमेशा उनके साथ खड़ी हैं। नि:शुल्क बस सेवा शुरू होने से स्थानीय निवासियों में खुशी है. लोगों ने इसे सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय नेता उपेंद्र कुमार सिंह ने इस सुविधा के लिए विधायक रागिनी सिंह, बीसीसीएल और जेरेडा प्रबंधन के प्रति आभार जताया। मौके पर जेरेडा के शेखर कुमार, कुलदीप कुमार शर्मा, राहुल मिश्रा, सीमा देवी, गीता देवी, रूपा कुमारी, ज्योति पांडेय, गुड्डी देवी, वकील सिंह और मिथलेश सिंह समेत दर्जनों विस्थापित परिवार मौजूद थे।

एक "नए सफर की शुरूआत" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : स्टील प्लांट से जून' 2025 में सेवानिवृत होने वाले कुल 27 कार्मिकों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से मंगलवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में मानव संसाधन के अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ के द्वारा "एक नए सफर की शुरूआत" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसरऔर योग विशेषज्ञ कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया। उप महाप्रबंधक अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन तथा नगर प्रशासन विभाग से दिवाकर सरन, सहायक प्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

रिकॉर्ड 9 वीं बार बुद्ध नारायण यादव बने बोकारो राजद जिलाध्यक्ष

बोकारो : राष्ट्रीय जनता दल बोकारो जिला का निर्वाचन आज रिकॉर्ड 9 वीं बार जिला अध्यक्ष का निर्विरोध चुनाव जीतकर बुद्ध नारायण यादव ने पूरे झारखंड में इतिहास रच दिया उपरोक्त विचार राजद के प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी ने श्री यादव के जिला अध्यक्ष बनने पर व्यक्त करते हुए माननीय लालू प्रसाद यादव तेजस्वी यादव झारखंड के मंत्री संजय प्रसाद यादव प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव बोकारो के चुनाव प्रभारी विक्रम प्रसाद यादव एवं मोहमद अतिक मंसूरी तथा बोकारो राजद के सभी नेता एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। ज्ञात हो कि बुद्ध नारायण यादव रिकॉर्ड 9 वीं बार बोकारो राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं जो उनका जनता के बीच पकड़ गरीबों की सेवा और राजद के प्रति समर्पण को दर्शाता है। अंबिका विवाह मंडप सेक्टर 9 में आयोजित चुनावी बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी विक्रम प्रसाद यादव ने जब श्री बुद्ध नारायण यादव को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया तो पूरी सभा में उपस्थित सैकड़ो की संख्या में राष्ट्रीय जनता दल नेता कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष डेलीगेट के सदस्यों राज्य परिषद के सदस्यों के जयकारो से पूरा हॉल गूंज गया इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी विक्रम प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि श्री यादव के 9 वीं बार जिला अध्यक्ष बनने से यह दशार्ता है कि बोकारो के राष्ट्रीय जनता दल नेताओं में कार्यकर्ताओं में उनका कितना अधिक सम्मान है तथा जनता पर उनकी पकड़ मजबूती को भी दशार्ता है। निर्वाचित घोषित किए जाने पर अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने कहा कि मैं लालू यादव का सिपाही हूं और जब तक जिंदा रहूंगा गरीबों दलितों पिछड़ों एवं अकलियतो की सेवा करता रहूंगा उन्होंने बोकारो के सभी राजद नेता एवं कार्यकर्ताओं तथा क्रियाशील सदस्यों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए।

महिला सशक्तीकरण और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : एकल ग्रामोंउत्थान फाउंडेशन के सौजन्य से कर्रा प्रखंड में महिला सशकरण और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। महिला सशक्तीकरण सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में एकल अभियान के राष्ट्रीय महामंत्री और ग्रामोत्थान योजना के केंद्रीय प्रमुख डॉ ललन कुमार शर्मा ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना ही इसका उद्देश्य है। केंद्र में महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई और अन्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे अपने परिवार के आर्थिक सशक्तीकरण में योगदान कर सकें। इसके अलावा यह केंद्र महिलाओं के सामाजिक और मानसिक विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे स्थानीय समुदाय ने उत्साह के साथ स्वागत किया। उपस्थित अतिथि और छात्रों का स्वागत संभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद कश्यप ने किया। जिलाध्यक्ष ज्योतिष भगत ने कहा कि महिला सशक्तीकरण का यह कार्य गांव की बेटियों के लिए सराहनीय है और इसे पूरा खूंटी जिले में विस्तारित करना चाहिए। एकल अभियान के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन की ओर से महिला सशक्तीकरण और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र बेटियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण प्रशिक्षण है। इससे गांव की बेटियों को गांव में ही रोजगार मिलेगा। इससे उनके परिवारों का विकास होगा। मौके पर उपस्थित प्रकाश महतो, राजनाथ उरांव, राज प्रताप सिंह, शिल्पा मिश्रा, संरक्षक कृष्णा साहू, चंद्रशेखर कुमार, सुंदर पाहन सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

भारी मात्रा में गोली के साथ एक नक्सली गिरफ्तार

चतरा : पुलिस ने भारी मात्रा में गोली के साथ एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने मंगलवार को कितना प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के टिकदा गांव में अर्जुन गंझू के पास भारी मात्रा में अवैध गोली और हथियार रखा हुआ है। सूचना के बाद सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गई। इसी दौरान टिकदा के अर्जुन गंझू के पास एक लोडेड देशी कट्टा बरामद किया गया। उसके निशानदेही पर टिकदा गांव के जंगल में जमीन के अंदर एक डब्बे में छिपा कर रखा हुआ इंसास राइफल का जिंदा गोली 477 राउंड एवं .303 राइफल का 246 राउंड कुल 723 चक्र जिंदा गोली बरामद किया गया। सभी हथियार एवं गोली को जब्त कर अभियुक्त अर्जुन गंझू को न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया गया है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अर्जुन गंझू का संबंध टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के शीर्ष कमांडर आक्रमण गंझू का सहयोगी रहा है। एक मामले में वह जेल भी गया है।

महिला ने दहेज प्रताड़ना को लेकर थाने में दर्ज कराई शिकायत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पियारपुर पंचायत स्थित हाजी खुसरुद्दीन टोला गांव में एक विवाहिता ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए अपने पति सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हाजी खुशरुद्दीन टोला निवासी मेरिना खातून (21) पिता तोजबुल शेख ने राधानगर थाना में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में मेरिना खातून ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग को लेकर उनके पति अनिकूल शेख, आशादुल शेख और मारवारा बीबी उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया है कि दहेज नहीं देने पर आरोपी उन्हें जान से मारने सहित तरह-तरह की धमकियाँ दे रहे हैं। मेरिना खातून ने पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के बयान के आधार पर राधानगर थाना में कांड संख्या 200/25 के तहत धारा 126(2), 115(2), 109(1), 85, 303(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच-पड़ताल कर रही है।-

10 दिनों से लापता बच्चे का शव मनरेगा कूप से बरामद

पलामू : मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सुआ गांव के रहने वाले कुलदीप प्रसाद गुप्ता का 11 वर्षीय पुत्र गौतम कुमार का शव मंगलवार को पड़वा थाना क्षेत्र के मानआहर में मनरेगा के अर्द्धनिर्मित कूप से बरामद किया गया। शव को कुएं से निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में लाया गया, जहां से उसे रांची रिम्स भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि एक जून को गौतम कुमार अपने ममेरे भाई की शादी में पड़वा थाना क्षेत्र के मनहर लामीपतरा गांव मामा राजेन्द्र साव के घर गया था। बारात जाने के बाद वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी काफी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन कुछ भी अता पता नहीं चल पा रहा था। परिजनों ने पड़वा थाना में गौतम की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। थर्ड आई ने भी गौतम के 10 दिनों से गायब रहने की खबर प्रकाशित की थी।

डाटम जंगल मे भूतनी का वायरल फोटो वीडियो निकला फेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के तिरूलडीह थाना क्षेत्र के डाटम जंगल में इन दिनों सोसल मीडिया पर एक अफवाह फैल रही है जिसमे डाटम जंगल मे भूतनी की बात कही जा रही है। इसी को लेकर डाटम हरि मंदिर प्रांगण में ग्राम प्रधान बंकेश्वर सिंह मुंडा की अध्यक्षता में तिरूलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार के अगुवाई में बैठक किया गया ,जिसमें सभी ग्रामीण व आसपास के ग्रामीण शामिल हुए ।बैठक के माध्यम से आम लोगो एवं राहगिरो से अपील किया गया की तेज रफ्तार से वाहन न चलाये। अधिकांश सड़क दुर्घटना ओवर स्पीड व शराब पीकर वाहन चलाने से होती है। वही ग्राम प्रधान ने सभी लोगो से अपील किया कि अफवाह पर ध्यान न दे व अफवाह फैलाने वालों की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे। वही तिरूलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई अफवाह फैलता है तो उसके ऊपर करवाई किया जाएगा। अगर कोई अपना सोशल अकॉउंट में भूतनी से संबंधित कोई पोस्ट किया है तो उसे तत्काल डिलीट कर दे और खंडन करते हुए वास्तविकता पर पोस्ट करे। वही ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि उक्त स्थान को चिन्हित करते हुए वहाँ सड़क पर रोड़ ब्रेकर लगवाने के लिए जिला प्रशासन से आवेदन करेंगे। मालूम हो कि सोसल मीडिया पर एक भ्रामक खबर चल रहा है कि डाटम जंगल के पास कुकड़ु तिरूलडीह मुख्य सड़क पर रात को एक भुतनी लोगों को अपनी ओर पुकारती है ओर राहगीर सड़क दुर्घटना का शिकार होकर मौत को गले लगा रहे हैं।

राहें प्रीमियम लीग का समापन के उपरांत सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : राहे दस दिनों तक चले "आरपीएल" क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन के उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आज भव्य रूप से जेएससीए स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों से मुलाकात की एवं उन्हें सम्मानित किया। ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित इस प्रकार के सकारात्मक आयोजनों से न केवल क्षेत्रीय युवाओं को खेल की ओर प्रेरणा मिलेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने का मार्गदर्शन मिलेगा। यह आयोजन भविष्य में और भी बेहतर नेतृत्व, समन्वय एवं योजनाबद्ध संचालन के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इस वर्ष की विजेता टीम 'चैलेंजर टीम' एवं उपविजेता टीम 'रियल टाईगर' के कप्तानों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, दोनों टीमों के प्रायोजकों को भी बधाई एवं सम्मान प्रदान किया गया। 'रियल टाईगर' टीम के स्पॉन्सर एसपी माइक्रो ग्रीन लैब की ओर से यह संकल्प लिया गया कि वे भविष्य में और भी अधिक युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करने एवं प्रेरित करने हेतु अपना योगदान देंगे। राहे प्रीमियर लीग जैसे आयोजन क्षेत्र में खेल भावना, युवाओं की भागीदारी एवं नेतृत्व कौशल को निखारने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। सम्मान समारोह के बाद सम्मान समारोह के उपरांत सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों ने सौरभ तिवारी से मुलाकात की और उनके अनुभवों से प्रेरणा ली। खिलाड़ियों के साथ फोटो सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नीजी अस्पताल में मरीज की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : सरिया बागोडीह मोड स्थित नीजी अस्पताल सत्यप्रभा हॉस्पिटल में मंगलवार की सुबह एक वृद्ध मरीज की मौत हो गई। मरीज की मौत की सूचना पाकर पहुँचे उनकी परिजनों ने जमकर हंगामा किया। इस बाबत मृतक सरिया के एफसीआई रोड निवासी अमरजीत सिंह(70)के पुत्र शनि सचदेवा, करन सिंह व अन्य परिजनों ने बताया कि उनके पिताजी की तबीयत खराब थी, उन्हें लूज मोशन की शिकायत थी, उन्हें बीते 6 जून 2025 को सत्यप्रभा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को पिताजी एकाएक हाईपर हो गये तो डॉक्टरों द्वारा उन्हें नशे की सूई दे दी गई। सोमवार की जब रात में हमलोग खाना लेकर हॉस्पिटल पहुँचे और उन्हें खाना खिलाने का प्रयास किया तो पर वे नहीं उठ पाए पर उनका पल्स चल रहा था। जिसके बाद हमलोग घर आ गये। मंगलवार की सुबह 8 बजे के करीब हॉस्पिटल से कॉल आया कि आपके पिताजी की मृत्यु हो गई। हमलोग जब पहुँचे और जानकारी लेने का प्रयास किया तो हॉस्पिटल के स्टाफ द्वारा दुर्व्यवहार व धक्का मुक्की किया गया । जिससे आक्रोशित होकर सभी परिजन शव को लेकर हॉस्पिटल के मेन गेट के पास ही अंदर में बैठ गए। इनका कहना था कि जबतक हॉस्पिटल प्रबंधक यहाँ नहीं पहुँचेंगे और सार्थक बातचीत नही होगी तबतक यहीं रहेंगे। मामले की सूचना पाकर बीडीओ ललितनारायण तिवारी, चिकित्सा पदाधिकारी डा.बिनय कुमार, सरिया थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह समेत बिरनी, बगोदर, भरकट्टा के थाना प्रभारी व भारी संख्या में पुलिस पहुँची। सभी अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया पर वे इस बात पर अडे रहे कि जबतक अस्पताल प्रबंधन नहीं आयेंगे तबतक शव के साथ बैठे रहेंगे। क्या कहते प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-इस बाबत बीडीओ ललितनारायण तिवारी ने कहा कि परिजनों से लगातार बातचीत हो रही है, लिखित शिकायत मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई होगी ,फिलहाल शव को पोस्टमार्टम में भेजने का प्रयास किया जा रहा।

नीमडीह के गुंडा में विधायक नें किया उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का शीलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : भवन निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के गुण्डा में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य का शीलान्यास मंगलवार को विधायक सविता महतो नें विधिवत शीलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान विधायक नें कहा 52 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण होगा। उन्होंने कहा भवन का निर्माण होने से ग्रामीणो को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। विधायक ने भवन निर्माण करने वाले संवेदक को भवन का निर्माण कार्य ससमय व गुणवत्ता पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में विधायक ने मुरु गांव में एक 100 केबिए का नए ट्रांसफार्मर का भी उद्घाटन विधिवत रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर झामुमो नेता कार्तिक महतो, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, प्रखंड अध्यक्ष सचीन गोप, विश्वनाथ गोप, टिंकू महतो, सचिव शंकर सिंह सरदार, हरि महतो, नीलकमल महतो, यदुपती महतो, सुजीत महतो, समेत काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली की लचर व्यवस्था के विरुद्ध आजसु पार्टी 22 को पावर ग्रिड में करेगी तालाबंदी

सरिया (गिरिडीह) : सरिया तथा बिरनी प्रखंड में इन दोनों बिजली की लचर व्यवस्था से उपभोक्ता काफी परेशान है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। इसके खिलाफ आजसु पार्टी आगामी 22 जून को सरिया स्थित पावर ग्रिड में तालाबंदी करेगी। उक्त जानकारी पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि इसकी लिखित जानकारी अनुमंडल पदाधिकारी सरिया को भी दे दी गई है। वहीं इसकी प्रतिलिपि झारखंड ऊर्जा संचरन लिमिटेड के कनीय अभियंता, एसडीपीओ सरिया,प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिया, अंचल अधिकारी सरिया तथा सरिया थाना को भी दे दी गई है। उक्त आवेदन में इन्होंने दो सूत्री मांगों का जिक्र भी किया है जिसमें कहा है कि सरिया अनुमंडल क्षेत्र में नियमित बिजली की आपूर्ति किया जाए। वहीं पावर ग्रिड सरिया में स्थानीय तथा योग्य युवकों को रोजगार मुहैया कराई जाए।

बकरा विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच पशुधन वितरण

पटमदा : पटमदा प्रखंड कार्यालय में पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार द्वारा 23 लाभुको के बीच बकरा विकास योजना के तहत चार बकरी और एक बकरा प्रत्येक लाभुको के बीच जनप्रतिनिधि की उपस्थिति की गई। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,प्रमुख बालिका सोरेन, बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग,प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर सुमन विश्वास,मानिक महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

दलमा बुड़ा बाबा स्थल के संरक्षण व पर्यटन के नाम पर अतिक्रमण न हो इसपर हुई बेठक

पटमदा : निताई सिंह भवन लावा में रामनाथ सिंह की अध्यक्षता में दलमा बुड़ा बाबा स्थल संरक्षण व पर्यटन के नाम पर अतिक्रमण न हो इस हेतु बेठक किया गया और निर्णय लिया गया कि दलमा समिति व समाजिक संगठन के नेतृत्व में दलमा शक्ति पाठ को संरक्षण के लिए संबंधित विभाग ओर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इन सबके बावजूद विकास के नाम पर अतिक्रमण किया गया तो आदिवासी भुमिज समाज आन्दोलन को बाध्य होगा। मोके पर दलमा मुख्य लाया कार्तिक सिंह, बोड़ाम प्रमुख प्रतिनिधि अंगद सिंह, मुखिया अजब सिंह, अमर सिंह सरदार, राधेश्याम सिंह सरदार, रविन्द्र सरदार, फनीभुषण सिंह,भदरु सिंह सरदार, हंसराज सिंह,तरणी सिंह विश्वनाथ सिंह, कालीराम सिंह, महीन सरदार,शुषैन सिंह सरदार, राहुल सिंह सरदार, उत्तम सिंह, गुलाब सिंह,सनातन सिंह,महेश्वर सिंह,मंगल सिंह,व चाण्डिल, नीमडीह जमशेदपुर बोड़ाम पटमदा,के समाजिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

यूनियन बैंक के नए शाखा प्रबंधक ने किया पदभार ग्रहण

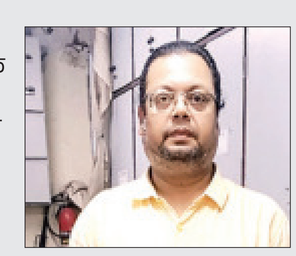

मुरी : यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा मुरी में नए शाखा प्रबंधक के रूप में विपुल कुमार ने अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सुविधा देना ही उनका मुख्य उद्देश्य है एवं वे अपने बैंक कर्मियों के साथ मिलकर ग्राहकों की सेवा करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि ग्राहकों को सेवा देना ही उनका मूल कर्तव्य है। इससे पूर्व वह रांची ऑडिट विभाग में पदस्थापित थे। उन्होंने यह भी कहा कि शत प्रतिशत लोगों को बैंकिंग सुविधा से जोड़कर लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा एवं बैंक द्वारा सभी सरकारी सुविधाओं का लाभ लाभुकों को तत्परता के साथ दिया जाएगा।

श्रावणी मेले में व्यवस्था को लेकर समिति ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : बाबा अमरेश्वर धाम प्रबंध समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उपायुक्त आर रोनिटा को ज्ञापन सौंप कर अंगराबारी में 11 जुलाई से शुरू होने वाले रक्षा, विधि व्यवस्था, चिकित्सा, पेयजल, यातायात परिचालन और अन्य सुविधा मुहैया कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि खूंटी जिले का बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में 11 जुलाई से नौ अगस्त तक श्रावणी मेला लगता है। साथ ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु सावन महीने में बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए यहां पहुंचते हैं। श्रावण पूर्णिमा इस वर्ष नौ अगस्त को है। उसी दिन पूर्णिमा मेले में भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। प्रबंध समिति ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि 11 जुलाई से नौ अगस्त तक और उसके तीन दिनों बाद लोगों को सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया जाए। प्रतिनिधिमंडल में प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश मांझी, श्रीपालचंद जैन, संतोष पोद्दार, महेंद्र भगत, महेंद्र कश्यप, प्रेमानंद तिवारी सहित अन्य शामिल थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

अज्ञात पुरूष का शव उम्र करीब-45 वर्ष, रंग-सॉवला, उँचाई-5 फिट 5 ईंच , पहनावा-गर्दन के दाहिने तरफ तील का निशान।

उपरोक्त अज्ञात पुरूष का शव नामकुम थाना अन्तर्गत सैमलौंग स्थित बेल बगान के पास बरामद किया गया है। जिसके संबंध नामकुम थाना यू0डी0 काण्ड सं0-23/2024, दिनांक-14.06.2024 दर्ज किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस अज्ञात पुरूश के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक मु0, प्रथम, रॉची। -9431706141
थाना प्रभारी नामकुम, रॉची। -9431706173

पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-
वरीय पुलिस अधीक्षक,रॉची

PR 354600 Police(25-26)#D

आईएएस अधिकारी के रिश्वत में पकड़े जाने पर उठे सवाल

उडीसा के कलाहांडी जिले के धरमगढ़ में 2021 बैच के आईएएस अधिकारी डिप्टी कलेक्टर धीमन चकमा को ओडिशा विजिलेंस ने 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। उनके निवास से 47 लाख रुपए अतिरिक्त बरामद हुए। विजीलेंस की जांच जारी है। मात्र चार साल के शुरूआती कैरियर में रिश्वत लेते पकड़े जाना, यह बताने के लिए काफी है कि आज भारतीय समाज के भ्रष्टाचार की जड़ कितनी गहराई तक पहुंच गई हैं। व्यवस्था की सभी खंबे आज बेईमानी की जद में हैं। हम अधिकारी, राजनेता और व्यवस्था के भ्रष्टाचार के खिलाफ तो खूब बोलते और लिखते है, किंतु न्यायपालिका के कदाचार पर चुप्पी साध जाते हैं, जबकि वहां भी हालत सब जगह जैसी ही है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात आग लग गई। इसमें बड़ी तादाद में नोट जले। जस्टिस वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नही हुआ। यदि यह ऐसा मामला किसी मंत्री, राजनेता या प्रशासनिक अधिकारी का होता तो उसके खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नहीं होता, जेल भी जाना पड़ता। न्यायिक अधिकारी अपने को मिले विशेष अधिकार के बूते मामले दबा रहे हैं। राज्य सभा अध्यक्ष जगदीप जाखड़ भी इस पर तीखी टिप्पणी कर चुके हैं। रिश्वत के आरोपी अधिकारी धीमन चकमा का जन्म त्रिपुरा के एक छोटे से कस्बे कंचनपुर में हुआ। उनके पिता स्कूल टीचर हैं, जबकि मां हाउस वाइफ हैं। धीमन ने अगर्तला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद धीमन ने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। उन्हें पहले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में जगह मिली और वह ओडिशा के मयूरभंज जिले में आईएफएस अधिकारी के तौर पर तैनात हुए। उनका सपना आईएएस बनने का था। 2020 में उन्होंने फिर से यूपीएससी की परीक्षा दी और इस बार 482वीं रैंक हासिल की। इस सफलता ने उन्हें 2021 बैच का आईएएस अधिकारी बनाया और वह ओडिशा कैडर में शामिल हुए। 2020 की कामयाबी के बाद उन्होंने एक साल की ट्रेनिंग ली। इसके बाद वर्ष 2021 बैच का आईएएस नियुक्त किया गया। आठ जून 2025 को ओडिशा विजिलेंस ने धीमन चकमा को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। बताया जा रहा है कि एक स्थानीय व्यापारी से 20 लाख रुपये मांगे गए थे। इसी तय राशि में से आधी रकम दी गई थी। व्यापारी का आरोप था कि चकमा ने उनके स्टोन क्रेशर यूनिट के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद विजिलेंस ने जाल बिछाया और चकमा अपने सरकारी आवास पर रिश्वत लेते पकड़े गए। केमिकल टेस्ट में उनके हाथ और दराज दोनों पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद उनके आवास से 47 लाख रुपये नकद और बरामद हुए।सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं.कई लोगों ने इसे सिस्टम की नाकामी बताया, तो कुछ ने इसे व्यक्तिगत लालच का नतीजा माना। एक यूजर ने लिखा-चार साल की नौकरी में इतना भ्रष्टाचार? ये लोग यूपीएससी में एथिक्स कैसे पढ़ते हैं? यह पहला मामला नही है। अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े जाते रहे हैं किंतु सेवा प्रारंभ होने के दौरान ही रिश्वत लेने का पहला मामला है। इस मामले से समझा जा सकता है कि ये अब न पकड़े गए होते तो सेवा के दौरान जनता का कितना खून चूसते। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात करीब 11:30 बजे आग लगी। इसमें बड़ी तादाद में नोट जले।जस्टिस वर्मा कहते रहे कि रुपए उनके नही है। पूरी कोशिश मामले को दबाने की हुईं। मामले के न दबने पर इन्हें दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, हालाकि इलाहाबाद के वकीलों ने इनके आने का विरोध किया। परिणाम स्वरूप इन्हें कार्य नही दिया गया, किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नही हुआ। जबकि सामान्य मामले में बड़े से बडे अधिकारी, जनसेवक, नेता और मंत्री के खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नही होता, वे जेल भी जाते।इन घटनाओं के उदाहरण थोक में मिल जाएंगे। जस्टिस वर्मा का मामला राज्य सभा में भी उठ चुका है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक पुराने न्यायिक आदेश के कारण एफआईआर दर्ज न होने और जस्टिस वर्मा के आवास से बरामद नकदी के मामले पर सवाल उठाए। उपराष्ट्रपति ने न्यायिक समितियों की भूमिका और न्यायिक निर्णयों पर पैसों के संभावित प्रभाव पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार आज लाचार है क्योंकि एक न्यायिक आदेश एफआईआर दर्ज करने में बाधा बना हुआ है। अगर कोई अपराध हुआ है तो उसकी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। यह सबसे बुनियादी और शुरूआती कदम है, जो पहले ही दिन उठाया जा सकता था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जब तक न्यायपालिका के सर्वोच्च स्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि ह्यअगर यह अनुमति नहीं दी गई तो क्यों? क्या किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव ही इस संकट का समाधान है? उपराष्ट्रपति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के निवास से बरामद नकदी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की छवि को गहरा आघात देने वाला मामला है। उन्होंने पूछा, अगर यह घटना सामने नहीं आती, तो क्या हमें कभी पता चलता कि और भी ऐसे मामले हो सकते हैं? जगदीप धनखड़ ने जोर दिया कि जब नकदी मिलती है तो हमें यह जानना चाहिए कि वह पैसा किसका है, उसकी मनी ट्रेल क्या है, और क्या उस पैसे ने न्यायिक निर्णयों को प्रभावित किया। जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब जनता का अन्य संस्थाओं से विश्वास उठता है, तब भी वे न्यायपालिका की ओर आशा से देखते हैं।

ईश्वरीय-स्पर्श और अभिशप्त शिला

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी

अधिक नहीं, दो दिन पहले की ही बात है। कोलकाता के वरिष्ठ साहित्य मनीषी डॉ. अरुण माहेश्वरी ने अपनी पुस्तक "इजराइल-समग्र" के लिए लिखी गई भूमिका पढ़ने के लिए भेजी। उसका शीर्षक है-ईश्वरीय-स्पर्श। उसमें माहेश्वरी ने एक अवतरण लिखा है- मार्केस ने कहा था कि चीजों में अपनी खुद की जान होती है, बस आत्मा जगाने की बात है। इजराइल ने अपनी कहानियों के स्पर्श से मजदूर बस्तियों के उसी अहल्या पत्थर को जगाने का काम किया है। जिस स्पर्श से पत्थर बोलने लगे। वही ईश्वरीय-स्पर्श कहलाता है-एक स्फुरित सत्ता वाला स्थिति रूप , जो अनेक प्रकार की सृष्टि-संभावनाओं से भरा होता है।₹ भूमिका पढ़ कर उनको लिखा कि एक बार आपने मिथक को अंधकार कहा था किन्तु अपनी भूमिका में आपने अहल्या की भी चर्चा की है और ईश्वरीय-स्पर्श की भी । और आज ही अहल्या को लेकर लिखा गया बुंदेलखंड के डॉ. चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित का खण्ड काव्य मिला है-अभिशप्त शिला।

इस काव्य को महादेवी वर्मा ने भी पढ़ा था और उन्होंने लिखा है कि अहल्या की कथा नारी जीवन की मार्मिक कथा के साथ एक रूपक कथा भी है, क्योंकि अहल्या शब्द का अर्थ ऐसा भूमि खंड भी है जो अनुर्वर है तथा हल चलाने के उपयुक्त नहीं है। राम के चरण स्पर्श से वह पाषाणी भूमि हरीतिमा में जीवित हो गई। कवि ने अहल्या की कथा की कुछ भिन्न प्रकार से व्याख्या की है, जो चिंतन की विशेष सामग्री देती है। सुधी पाठक उसमें नारी मन का उद्वेलन तथा पाषाणी धरती का प्रकंपन एक साथ अनुभव करेगा। यूरोप में मिथकशास्त्र (मायथोलोजी) एक अनुशासन का रूप बन गया है और उसके बहुत से आयाम हैं। उन सभी के साथ मिथक अपने आप में अभिव्यक्ति कीएक शैली भी है। पौराणिक गाथाओं की इस अभिव्यक्ति शैली और भाषा पर पश्चिम में सबसे पहले मैक्समूलर (1823-1900) का ध्यान गया था। उसने अनुभव किया कि आदिम व्यक्ति ने जिस अर्थ में उस अभिव्यक्ति-भंगिमा का प्रयोग किया था, अगली पीढ़ी ने उसे ठीक उसी अर्थ में ग्रहण नहीं किया।

इस प्रकार पीढ़ियों के क्रम से भाषा में विकार आता चला गया तथा वह मूल अर्थ हम से दूर होता चला गया। भाषाशास्त्री जानते हैं कि शब्द बिंब से बनता है। परिवेश के बदलने पर बिंब का अर्थ भी बदल जाता है। इसीलिए एक पीढ़ी के बाद दूसरी पीढ़ी में जाकर शब्द का मूल अर्थ बदल जाता है। मैक्समूलर ने माना कि भाषा और अभिव्यक्ति शैली का पीढ़ियों के क्रम से बहुत गहरा संबंध है। अर्थ-परिवर्तन की इस प्रक्रिया को मैक्समूलर ने मैलेडी ऑफ वर्ड्स अथवाशब्द का विकार बतलाया था। वीरता पौरुष तथा हिंसक पशुओं को पराजित कर देने की सामर्थ्य को उन्होंने हरक्यूलिस या सैमसन का नाम दिया । मैक्समूलर मिथक-तत्व को अनिवार्य मानते हैं।

फिलॉसफी ऑफ माइथोलॉजी, इंट्रोडक्शन टु द साइंस ऑफ रिलिजन के परिशिष्ट में मैक्समूलर कहते हैं, यदि भाषा विचार के ऊपरी रूप को अभिव्यक्त करने की शक्ति है, तो मिथक तत्व उसकी अन्तर्निहित आवश्यकता है। मिथक-कल्पना वाक तत्व की भांति मनुष्य की सहज सर्जना शक्ति का ही निदर्शक रूप है। मैक्समूलर के बाद कैसिरर मिथक-तत्व का विश्लेषण करते हैं। उनका कहना है कि आदिम मनुष्य के लिए भाषा के प्रतीक यथार्थ के सूचक ही नहीं थे बल्कि यथार्थ ही थे। वे मानते हैं कि मनुष्य ही एकमात्र प्राणी है जो प्रतीकों का निर्माण करता है। कैसिरर भाषा और मिथक तत्व को एक ही मूल से निकली हुई दो अलग-अलग शाखा मानते हैं। हर्डर मानते थे कि भाषा की उत्पत्ति मिथकीय प्रक्रिया के भीतर से हुई है। मनुष्य के अन्तर्जगत को अभिव्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है- मिथक।

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने मिथक का विवेचन करते हुए कहा, मिथक वस्तुतः भाषा का पूरक है। सारी भाषा ही इसके बल पर खड़ी है। साहित्य में मिथक अनंत अनुभवों का विश्लेषण है। कलाकार के हृदय में जो मिथकीय सिसृक्षा उदित होती है, वह अवचेतन चित्त की वेगवती शक्ति है। आगे चल कर यही शक्ति पुराणकथा या माइथोलोजी के रूप में विकसित होती है। आधुनिक विचारक मिथक को प्रतीकात्मिका भाषा कहते हैं- मनुष्य ने मिथक तत्व को भुलाया नहीं है। कविता उसका प्रमाण है। निजधरी कथाएं, चित्र और मूर्ति-शिल्प उसके साक्षी हैं। कार्य-कारण परंपरा की युक्तिसंगत व्यवस्था उस गहरे यथार्थ को प्रकट नहीं कर पाती, जो रात को सोते समय सपने में प्रकट हो जाती है।

आचार्य हजारी प्रसाद ने अपने मन के अद्भुत भावों की मिथकीय-अभिव्यक्ति का स्पष्टीकरण करते हुए बतलाया है, अन्तर्जगत के भाव बाह्य-जगत के पदार्थों के बिम्ब नहीं होते। उन भावों के बिम्ब को अभिव्यंजक शब्दों द्वारा प्रकट करना कठिन होता है, परन्तु करना पड़ता है, दूसरा उपाय नहीं है। उसको भाषा के द्वारा अभिव्यक्त करने के लिए किसी-न-किसी अन्य इन्द्रिय द्वारा गृहीत बिम्ब में उसे अनूदित करना पड़ता है। अमूर्त अनुभूति को किसी-न-किसी प्रकार मूर्त बिम्बों में अनुवाद करना है। रूप को 'मधुर' कहना या सौन्दर्य को लावण्य कहना वस्तुतः एक अमूर्त अनुभूति को स्वादेन्द्रिय द्वारा अनुभूत बिम्ब के माध्यम से गोचर कराने का प्रयास मात्र है। उपरले स्तर के तर्क द्वारा कहा जा सकता है कि रूपगत सुन्दरता को माधुर्य (मिठास) और लावण्य (नमकीन) कहना बिल्कुल झूठ है, क्योंकि रूप न तो मीठा होता है, न नमकीन। लेकिन फिर भी कहना पड़ता है, क्योंकि अन्तर्जगत के भावों को बहिर्जगत की भाषा में व्यक्त करने का यही एकमात्र उपाय है। सच पूछिए तो यही मिथक तत्व है। ऊपर-ऊपर से देखने से यह झूठ है, परन्तु गहराई में देखने पर यह सत्य है।

धर्मवीर भारती ने कहा था, मिथक कथाएं प्रतीकों और मधुमयी कल्पनाओं के द्वारा हजारों साल से हमारे सांस्कृतिक-मानस को संवेदना प्रदान करने का काम करती हैं। अब उनको उनके उन्हीं प्रतीकार्थ-माध्यम से समझने की आवश्यकता है। बचपन की उस अबोध अवस्था में ही मैं अहल्या के नाम से परिचित हो गया था क्योंकि मेरी मैया सवेरे स्नान करके जिन श्लोकों का उच्चारण करती थीं, उनमें अहल्या, द्रौपदी, कुन्ती, तारा और मन्दोदरी के पवित्र नाम आते थे।

जब गोस्वामी तुलसीदास की कवितावली पढ़ने लगा तब अहल्या से मेरी फिर से मुलाकात हो गई। केवट कहता है -गौतम की घरनी ज्यों तरनी तरैगी मेरी,प्रभुसों निषादु है कैं बादु ना बढ़ाइहौं। जब वह पत्थर आपके चरण-स्पर्श से नारी बन गई तो यह तो काठ की नाव है- कोमल है, जल खाय रहा है। यदि मेरी नाव भी आपकी चरण-धूलि के स्पर्श से नारी बन गई तो मेरे लिए नई मुसीबत खड़ी हो जाएगी। उसके बाद में विन्ध्याचल के उपासियों के साथ तुलसीदास जी ने मजाक किया है- ह्वै हैं शिला सब चन्द्रमुखी। पर्वत की इतनी शिलाएं चन्द्रमुखी बन जाएंगी तो हमारा अकेलापन दूर हो जाएगा। जब पुराण पढ़ने का नम्बर आया तो गौतम ऋषि की कथा भी पढ़ ली। अहल्या के सौन्दर्य पर रामायण तथा पुराणों में विस्तार से वर्णन है और यह भी उल्लेख है कि इन्द्र उससे विवाह करना चाहता था और उसके लिए उसने पृथ्वी-परिक्रमा भी की थी किन्तु अहल्या का विवाह गौतम ऋषि से हुआ।

राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ मिथिलापुरी के वन उपवन देखने के लिए निकले तो उन्होंने एक निर्जन स्थान देखा। विश्वामित्र ने बताया, यह स्थान कभी महर्षि गौतम का आश्रम था। वे अपनी पत्नी के साथ यहां रह कर तपस्या कर रहे थे। एक दिन जब गौतम ऋषि स्नान के लिए आश्रम के बाहर गए थे तो उनकी अनुपस्थिति में इन्द्र ने गौतम ऋषि के वेश में आकर अहल्या से प्रणय याचना की। अहल्या ने इन्द्र को पहचान लिया और प्रणय हेतु अपनी स्वीकृति नहीं दी किन्तु इन्द्र ने जबरदस्ती की। गौतम ऋषि अपने आश्रम को वापस आ रहे थे, तो उनकी दृष्टि इन्द्र पर पड़ी जो उन्हीं का वेश धारण किए हुए था। उन्होंने इन्द्र को तो शाप दिया ही, अहल्या को भी शिला हो जाने का शाप दे दिया । अहल्या शिला बन गई ।

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

ललित गर्ग

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ.गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

कबीर जयंती : जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय

योगेश कुमार गोयल

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास की 11 जून को जयंती है। इस अवसर पर उनका प्रसिद्ध दोहा याद आता है-"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय" इसका अर्थ है कि जब मैं दूसरों की बुराई देखने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने दिल में झांककर देखा, तो मुझे समझ आया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है। यह दोहा आज भी हमें आत्म-चिंतन करने और खुद को सुधारने की प्रेरणा देता है। कबीर दास कहते हैं कि दूसरों की बुराई देखने से बेहतर है कि हम खुद को देखें और अपनी गलतियों को सुधारें। इस दोहे की शिक्षा है-हमें दूसरों की बुराई देखने के बजाय अपनी कमियों पर ध्यान देना चाहिए। हमें बदलाव की शुरूआत खुद से करनी चाहिए। हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए। यह दोहा हमें आत्म-चिंतन के लिए भी प्रेरित करता है।

संत कबीर ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत किया है और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल है। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया।

कबीर जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। यह इस वर्ष 11 जून को मनाई जाएगी। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीर ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, "महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?"

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ। दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहे अनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनट बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं।

कबीर ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ?

कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शब्द पहेली - 8519

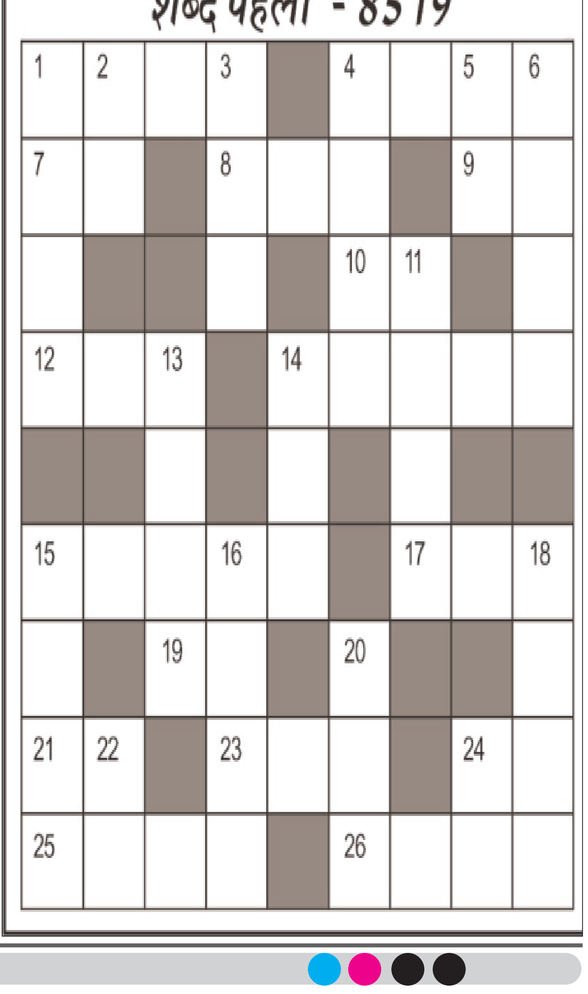

एक नजर

साथी अभियान को लेकर पीएलवी की हुई बैठक

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के कुशल मार्गदर्शन व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गौतम कुमार के देखरेख में जिले में साथी अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान में ऐसे बेसहारा बच्चों को चिन्हित करना है जिनका आज तक आधार पंजीकरण नहीं हो पाया है तथा जो सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से काफी दूर है। साथी अभियान के सफलता के लिए एवं पूरे जिले में इस अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने को लेकर आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कोडरमा जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत पारा लीगल वोलंटियर से वर्चुअल मोड में एक बैठक कर साथी अभियान को सफल बनाने के संबंध में कई आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान सचिव गौतम कुमार ने कहा कि विभिन्न प्रखंड मुख्यालय में कार्यरत पारा लीगल वोलंटियर अपने-अपने प्रखंडों में वैसे बच्चों को चिन्हित करें जिनके पास आधार का पंजीकरण नहीं हो पाने के कारण उन्हें आधार कार्ड उपलब्ध नहीं कराया जा सका है और इस कारण वह केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। कुमार ने कहा कि यदि वैसे बच्चों के आधार पंजीकरण को लेकर किसी भी प्रकार की दिक्कत होती है तो वह हमसे सीधा संपर्क स्थापित करें ताकि उस समस्या का समुचित समाधान किया जा सके। कुमार ने पी एल वी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के किसी भी प्रखंड में कोई भी बच्चा आधार पंजीकरण से वंचित नहीं रह सके इस बात को लेकर सभी पीएलवी पूरी तरह से सक्रिय होकर इस साथी अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाएं।

बाल विकास परियोजना कार्यालय की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

जयनगर : बाल विकास परियोजना कार्यालय, जयनगर में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों जैसे पोषण ट्रैकर का अपडेट, सीबीई एवं वीएचएसएनडी का संचालन, गृह भ्रमण की प्रगति, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सेविका, सहायिका एवं पोषण सखी का मानदेय भुगतान, तथा गैस रीफिलिंग इत्यादि की समीक्षा की गई। इस अवसर पर कार्यालय के सांख्यिकी सहायक संतोष कुमार, महिला पर्यवेक्षिका शीतल पिंगुवा एवं अनीता कुमारी, साथ ही तीन सेक्टर की आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं। सभी उपस्थित पदाधिकारियों और सेविकाओं के साथ उनके कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए गौतम कुमार ने आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में आगामी समर/सीएमएएम कैंप की योजना पर विशेष चर्चा हुई, जिसमें केंद्रवार बच्चों की सूची, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान, कैंप आयोजन की रूपरेखा, सामग्री की उपलब्धता एवं कार्यक्रम की मॉनिटरिंग से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के अंत में बाल विकास पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सेविकाएं निर्धारित समय में सभी गतिविधियों को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करें एवं पोषण ट्रैकर का नियमित रूप से अद्यतन करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 1500 से 25,000 रुपये तक का सहायता देगी सरकार : रोबिन टोप्पो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला कल्याण कार्यालय, रामगढ़ द्वारा संचालित योजनाओं का मंगलवार को उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए। बैठक के दौरान साइकिल वितरण योजना के समीक्षा के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 में कुल 6952 लाभार्थियों को साइकिल वितरण योजना का लाभ दिया गया। छात्रवृत्ति योजना के समीक्षा के दौरान उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में कुल प्राप्त आवेदनों में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 51071 विद्यार्थियों को लाभ दिया गया वहीं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत प्राप्त आवेदनों में 448 विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया गया। वहीं उन्होंने अत्याचार निवारण योजना की समीक्षा के दौरान बताया कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 में 4 मामले आए जिसमें में सभी योग्य लाभुकों को लाभ दिया गया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के समीक्षा के दौरान उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 25 में कल 780 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें सत्यापन उपरांत 639 आवेदन सही पाएंगे वही 119 लाभुकों को स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी से मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत रामगढ़ जिले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी ली। इस संबंध में हो रहे कार्यों की जानकारी देने के उपरांत जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना में कुल 715 को योग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक ज्यादा से ज्यादा योग्य लाभुकों को योजना का लाभ देने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। झारखंड कल्याण विभाग की ओर से सरकार अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों को बीमारी में आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इसके लिए विभाग चिकित्सा सहायता योजना चला रही है। योजना के तहत किसी तरह की बीमारी या सर्जरी होने पर या कैंसर के इलाज के लिए आर्थिक सहायता देने का प्रवाधान है। अब सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए इसमें कोविड होने पर भी लाभ देने का प्रवाधान शुरू किया है। अगर आप अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग में आते हैं और आपको कोविड हुआ है या हुआ था या आप होम आइसोलेशन में थे, तो सरकार आपको 2500 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता देगी वहीं अब इस योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना कर दिया गया है। योजना के तहत लाभ दो वर्गों में दिया जाता है। पहला झ्र 18 से अधिक उम्र वालों को और दूसरा 18 से कम उम्र वालों को। 18 से अधिक उम्र वालों को बीमारी के 7 दिन से अधिक होने पर 3000 से 5000 रुपये, कोविड के लिए 5000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये की सहायता और कैंसर होने पर लगभग 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी।

झुमरी तिलैया में रोज हजारों लीटर पानी सड़कों पर होता है बर्बाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : एक तरफ भीषण गर्मी की चपेट में है कोडरमा जहाँ लोग बून्द बून्द पानी को तरस रहे है। वही रोज हजारो लीटर सप्लाई पानी सड़को पर बह जा रहा है। ये नजारा राँची पटना रोड के बायपास रेलवे ओवर ब्रिज का है। जहाँ सप्लाई पानी का पाइप के महीनों से फटा हुआ है और हर रोज यहाँ से हजारो लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। स्थिति ये है कि जिस जगह से ये पानी बह रहा है उसके ठीक बगल में तालाब बन गया है लेकिन विभाग गहरी नींद सोया हुआ है।सहर में इस भीषण गर्मी में लोगो को सप्लाई का पानी नसीब नही हो पा रहा है।स्थानीय लोग बताते है कि सप्लाई का पानी सहर में कभी कभी आ पाता है जो एक गंभीर समस्या है।लापरवाही देखिए इस सड़क से दिन भर कई अधिकारियों की गाड़ी गुजरती है लेकिन विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी इसे देखने वाला नही। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि पूरा सिस्टम भगवान भरोसे है। झुमरी तिलैया नगर परिषद के सिटी मैनेजर प्लेमांशु कुमार ने कहा है विभाग से समन्वय स्थापित किया गया है जल्द ही इस और काम किया जाएगा।

किसान मित्रों को मानदेय लागू करने की मांग को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले के किसान मित्र संघ ने कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव को प्रदेश किसान मित्र महासंघ के निदेर्शानुसार किसान मित्र संघ से जुड़े विभिन्न मांगों को लेकर किसान मित्रों ने मानदेय लागू करने के मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा बता दे की झारखंड प्रदेश की स्थापना के तत्पश्चात आत्मा परियोजना के विभिन्न कार्य जो पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त और सुदृढ़ बनाने के लिए वर्ष 2006 से लेकर 2010 के बीच किसान मित्रों की बहाली हुई। जिसे उस समय से लेकर अभी तक सारे कार्य सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं आत्मा परियोजना के अलावे कृषि पशुपालन, सहकारिता विभाग, गव्य विभाग भूमि संरक्षण विभाग स्वास्थय विभाग आपदा प्रबंधन विभाग योजना बनाओ कार्य अभियान कृषि एवं उद्यान विभाग बी एल ओ(चुनावी) कार्य इत्यादि अनेक कार्यों में किसान मित्रों की सहभागिता होती रही है जहां बड़ा अफसोस है कि आज तक कोई प्रोत्साहन राशि के अलावे कोई मानदेय नहीं लागू किया गया। जिससे किसान मित्र अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं मानदेय लागू करने की मांग को लेकर माननीय विधायक से किसान मित्रों ने आग्रह किया। मौके पर किसान मित्र के रूप में बैजनाथ यादव कैलाश कु साव प्रदीप कुमार पंकज कुमार मोदी महेश यादव सुरेश धोबी शकुंतला देवी विजय कुमार अशोक यादव रोहित कुमार कविता देवी संजय कुमार महेश राम दिनेश यादव इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सरकारी रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा प्रखंड के वृंदा गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार को अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के सरकारी रास्ते पर कुछ लोगों ने तीन साल से अतिक्रमण कर रखा है, जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। धरना से पहले ग्रामीणों ने सदर ब्लॉक से जुलूस निकाला और अंचल अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंचल कार्यालय पहुंचे। धरना की अध्यक्षता पवन कुमार रजक ने की और कांग्रेस नेता प्रकाश रजक सहित कई वक्ताओं ने अंचल अधिकारी को लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। धरना स्थल पर पहुंचे अंचल अधिकारी हलधर सेठी ने ज्ञापन लिया और एक सप्ताह के भीतर विधिसम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया। धरना में बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी रही। मौके पर गुरु प्रसाद साव, विजय यादव, कामेश्वर राम, सहदेव यादव, रामदेव साव, सुरेश कुमार यादव, पवन कुमार रजक, असगर अली, रामेश्वर यादव, रीना देवी आदि लोगों ने संबोधित किया धरना में लक्ष्मण रजक, धर्म रजक, सुखदेव यादव, कुलदीप यादव, सदानंद रजक, प्रकाश साव, अरुण यादव, विकास यादव, कैलाश साव राजेंद्र यादव, कामेश्वर यादव, बंसी यादव, अशोक रजक, चुल्हन महतो, विशेश्वर साव, राजेश रजक, प्रभु रजक, महेश रजक, मंजू देवी, गुड़िया देवी, ललिता देवी, सिमा देवी, ममता देवी, कंचन देवी, सोनिया देवी आदि सैकड़ो महिलाएं मौजूद थी। धन्यवाद ज्ञापन कामेश्वर राम ने किया।

डॉ नीरा यादव ने चारदिवारी का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने प्रखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में विकाशसिल योजनाओं की आधारशीला रखी। इस दौरान विधायक ने जिले के मरकच्चो प्रखण्ड के आदर्श पंचायत चोपनाडीह अंतर्गत नगरितो में संचालित आश्रम विद्यालय में 20 लाख 81 हजार की लागत से बनने वाली चारदीवारी का शिलान्यास किया।साथ ही विधायक ने सिमरिया व मरकच्चो मध्य में लगभग साढ़े 3 लाख की प्राक्कलित राशि से आँगनबाड़ी केंद्र के सुदृढ़ीकरण का भी शिला न्यास किया। साथ ही विधायक ने ब्लॉक कैम्प्स में बनने वाले किचेन गार्डेन व पार्किंग की भी आधारशिला रखी। शीला न्यास के बाद आश्रम विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गान गाकर विधायक का स्वागत की। मौके पर विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि कोडरमा विधान सभा क्षेत्र की एक एक समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणो की जो भी समस्या है सीधे आकर मिले,उसे दूर करने का प्रयास किया जायगा। विधायक ने आश्रम विद्यालय की जानकारी ली।छात्राओं से पढ़ाई, रहने व खाने पीने की व्यवस्था की जानकारी ली। छात्राओं ने लाइट, पानी, खाने , जेनरेटर, खेल मैदान समेत कई समस्यायों की मांग की। मौके पर जिला भा ज पा महामंत्री विजय यादव, प्रखण्ड अध्यक्ष सुनील यादव,लखन पासवान, मोहन यादव, शंकर यादव,दीपक यादव, शिवराम यादव,महावीर यादव,शिव शंकर यादव,राजेश यादव, सीताराम यादव आदि उपस्थित थे।

झुमरी तिलैया में ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिस मिट्टी का बेटा एक दिन बीच समर सो जाता है, आंगन तो आंगन वह गांव अमर हो जाता है.. ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में आज कवि ओंकार कश्यप ने यह कविता पढ़ी तो श्रोताओं की भुजाएं राष्ट्रभक्ति में फड़कने लगी। मौका था कोडरमा जिले के झुमरी तिलैया में उमा राज फाउंडेशन के तहत भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का । मेधा डेयरी के प्रोडक्शन अधिकारी और देश के चर्चित युवा कवि रवि कुमार गुप्ता के संयोजन में देशभर से आए कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को सराबोर कर दिया। देश के चर्चित भजनकार लखनऊ कइ प्रसिद्ध हास्य कवि शेखर त्रिपाठी ने अपने कुशल संचालन से कवि सम्मेलन की शुरूआत की तो ठहाके गूंजने लगे । कई राज्यों से जुटे हुए प्रख्यात कवियों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। ओज कवि ओंकार कश्यप इस कवि सम्मेलन मौके पर वीर रस, श्रृंगार रस के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द व सद्भावना देश प्रेम को कवियों ने शब्द दिए, जिसका मौजूद श्रोताओं ने भरपूर समर्थन किया। हर प्रस्तुति के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से कार्यक्रम स्थल गुंजता रहा। श्रोताओं ने भी जमकर आनंद उठाया तथा तालियों से हर कवि की रचनाओं का समर्थन किया। कवियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम में सहयोग करने बाले लोगों को अंगवस्त्र व मेमोंटो देकर सम्मानित किया। वाह भाई वाह फेम कवयित्री अल्पना आनंद ने अपने एक से बढ़कर एक गीत और मुक्तक से लोगों को भाव विभोर कर दिया। लोग अपने स्कूल कि व बचपन कि यादों में खो गये और बीते बचपन कि सफर को याद करने लगे। कवि चंदन प्रजापति के मर्मसपर्शी कविता का श्रोताओं ने तालियों से सम्मान किया। वहीं कभी रवि गुप्ता ने अपने श्रृंगार गीतों से लोगों को मोहित किया तथा बाद में बच्चों में संस्कार भरने कि बातें कहीं। श्रृंगार की नई वायरल कवयित्री लखनऊ की श्वेता शुक्ला ने अपने सटीक और कर्ण प्रिय छंदों से खूब वाह वाही बटोरी। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कविता का जैसे हीं पाठ किया श्रोताओं ने तालियां बजाकर स्वागत किया। अंत में झारखंड की अंतरराष्ट्रीय कवयित्री अंकिता सिंहा ने अपने गजल मुक्तकों से कवि सम्मेलन को बुलंदी पर पहुंचा दिया।

संक्षिप्त खबरें

सांसद प्रतिनिधि ने बीडीओ को विभिन्न समस्याओं से कराया अवगत, सौंपा ज्ञापन

भुरकुंडा : भुरकुंडा मंडल के सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा, भाजपा युवा मोर्चा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष अवितेश सिंह एवं भाजपा युवा नेता सलिल मोहन सिन्हा ने मंगलवार को पतरातू प्रखंड विकास पदाधिकारी से मनोज कुमार गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा ने भुरकुंडा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को उठाते हुए बीडीओ को एक लिखित आवेदन सौंपा। उन्होंने क्षेत्र में सड़कों की जर्जर स्थिति, जलनिकासी की समस्या, साफ-सफाई की व्यवस्था, सामुदायिक भवनों की मरम्मत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी को दूर करने की मांग की। साथ ही भुरकुंडा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की अपील की। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। इस पहल को लेकर क्षेत्रवासियों में सकारात्मक उम्मीद जगी है कि अब विकास कार्यों को गति मिलेगी और स्थानीय समस्याओं का समाधान होगा।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर डीडीसी ने किया रवाना

रामगढ़ : गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक की अवधि को पूरे राज्य में नशा मुक्ति अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के पहले दिन मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो द्वारा जिला समाहरणालय परिसर से दो जागरूकता एलईडी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर प्रभात शंकर से जागरूकता वाहनों के रोस्टर आदि की जानकारी ली एवं वाहनों के माध्यम से जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों, सार्वजनिक क्षेत्रों आदि में नशे के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। गौरतलब होकि जागरूकता एलईडी वाहनों के द्वारा ऑडियो विजुअल के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए नशा मुक्ति से संबंधित कंटेंट का प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर प्रभात शंकर, जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

रामगढ़ महिला साहित्य मंच की अंतरराष्ट्रीय कवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

रामगढ़ : सोमवार को रामगढ़ महिला साहित्य मंच की अंतरराष्ट्रीय कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मंच की अध्यक्षा डॉ. शारदा प्रसाद, हिंदी साहित्य भूषण एवं पूर्व प्राचार्या, रामगढ़ महाविद्यालय ,रामगढ़ ने की। उन्होंने उपस्थित अतिथियों का तथा कवयित्रियों का स्वागत किया एवं विषय प्रवर्तन कराया। डॉ स्वाति पांडेय के सरस्वती वंदना के सुमधुर स्वरों में पाठ से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मंच संचालिका डॉ रजनी गुप्ता, उपाध्यक्ष महिला साहित्य मंच, ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सबसे पहले मॉरीशस की कक्षा चार की छात्रा समृद्धि रोमा काशीनाथ को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया। समृद्धि रोमा काशीनाथ ने आओ रेत का घरौंदा हम बनाएं, मिलकर आज कलाकारी दिखाएं। इसके पश्चात मॉरीशस से ही छात्र अहाना शिवनंदन ने पेड़-पौधे हमारे मित्र हैं, पेड़-पौधे छोटे हो या बड़े बड़े काम के होते हैं का पाठ करके सब का मन मोह लिया। ओजस्वी अनत, ने लक्ष्य जीवन का मुश्किल नहीं, हार हो या जीत मेहनत का फल इसे समझना, अगली कवयित्री श्रिया मिश्रा नेश्लोहा जितना तपता है, उतनी ताकत देता है, हम आदम के बेटे हैं। का पाठ करके मंच को एक नई ऊंचाई प्रदान की। आराधना मिश्रा ने न तुम अपने आप को गले लगा सकते हो, ना तुम अपने कंधों पर सर रख कर सो सकते हो कविता का वाचन किया। मॉरीशस के शिक्षक डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने एक बंगला कविता का पाठ सुमथुर स्वर में किया तथा उनकी स्व रचित कविता श्मैं सागर नहीं हूं, जो मोतियों से भर जाऊंगा झोली तुम्हारी का पाठ करके जीवन की सच्चाइयों का उल्लेख किया। डॉ स्वाति पांडेय ने सुमधुर कंठ से भजन प्रस्तुत करके भक्ति की लहरों में सभी को निमग्न कर दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शारदा प्रसाद ने अध्यक्षीय भाषण में प्रस्तुत कविताओं का समाहार प्रस्तुत किया तथा आज की नन्हीं कवयित्रियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मंच पर प्रस्तुति देना बहुत बड़ी बात है और यह व्यक्तित्व निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी कविता सहम गई हवाएं सहसा और धरती चीत्कार उठी, फट गया सीना अंबर का, अश्रुजल का मानो ज्वार उठी प्रस्तुत किया।

ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, स्थिति गंभीर

कुजू : ओपी क्षेत्र अंतर्गत बोंगाबार एन एच 33 सड़क पर प्रेम होटल के समीप मंगलवार की दोपहर लगभग 3 :00 बजे एक 14 चक्का ट्रक ने एक बाइक सवार को अपने चपेट में लेकर रौंद डाला। जानकारी के अनुसार 14 चक्का ट्रक सख्या जे एच 02 बी एन 6237 कोयला लोड कर कुजू ट्रांसपोर्ट नगर आ रहा था। इसी बीच रांची पटना मर्ग एन एच 33 सड़क पर प्रेम होटल के समीप एक बाइक संख्या खल्24ॠ7361 सवार को अपने चपेट में ले लिया। जिससे बाइक सवार का कमर के नीचे का हिस्सा पूरी तरीका से चकनाचूर हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद कुजू पुलिस मौके पर पहुंचकर बाइक सवार को गंभीर स्थिति में रामगढ़ सदर अस्पताल ले गई। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रांची रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। इधर पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लेकर ओपी ले आई है।

सामुहिक उपनयन/यज्ञोपवीत संस्कार गायत्री मंदिर में 15 जून को संपन्न होगा : प्रदीप शर्मा

रामगढ़ : विश्व ब्राह्मण संघ एवं गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामुहिक उपनयन/यज्ञोपवीत संस्कार दिनांक 15 .06 .2025 दिन रविवार को होगा, स्थान : गायत्री मंदिर परिसर में समाज के वरिष्ठ गण्यमान्य ब्यक्तियों द्वारा शुभ प्रारंभ समय सुबह 9 बजे से रखा गया है एवं समापन 3 .00 बजे भोजन उपरांत, करीबन 41 बटुको के उपस्थित होने की संभावना है, यज्ञोपवीत संस्कार पूरे वेदिक रीति रिवाज के अनुसार किया जायेगा। शर्मा ने कहा कि हिन्दू धर्म में कुल 16 संस्कार होते है उनमें एक उपनयन/यज्ञोपवित संस्कार भी आता है। उपनयन संस्कार वेदिक संस्कृतिक को पुनर्स्थापित करने की दिशा में तथा सामाजिक उत्थान एवं मजबूती की राह में होगा, उपरोक्त कार्यक्रम में आप सभी ब्राह्मण भाइयों की गरिमामयी उपस्थिति अनिवार्य है एवं ओर किन्हीं को रजिस्ट्रेशन करवाना हो तो संपर्क कर सकते हैं। मंगलवर को एक विशेष बैठक में इस कार्यक्रम के लिए झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा ने यज्ञोपवीत कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार पांडेय एवं सह संयोजक अरुण बनर्जी व भूपेश मनी तिवारी को सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया।

एक नजर

रेल प्रशासन ने मेडिकल कैंप का किया आयोजन

पाकुड़ : जिले में बुधवार को रेलवे स्टेशन, पाकुड़, बुकिंग ऑफिस के ऊपर डॉरमेट्री हाल में रेल प्रशासन द्वारा एक मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा महिला रेलकर्मी एवं रेलवे कर्मचारियों के परिवार की स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है। इस क्रम में ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल हावड़ा की ओर से चार महिला विशेषज्ञ डॉक्टर सहित एक मेडिकल टीम आज पाकुड़ में उपलब्ध रहेंगे। सभी महिला रेल कर्मचारियों एवं रेल कर्मियों के परिवार से आग्रह है कि वह सुबह 10:00 बजे उपस्थित होकर इस स्वास्थ्य कैंप का लाभ उठाएं। ज्ञात हो कि पाकुड़ में रेलवे कर्मचारी एवं उनके परिवार जनों के स्वास्थ्य हेतु कई तरह के मेडिकल कैंप आयोजित किया जा रहे हैं इस क्रम में रेलवे डॉक्टर द्वारा अलग-अलग स्टेशनों पर जाकर स्वास्थ्य का रेल कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की जाती है एवं आने वाले समय में रेलवे लॉकअप डिस्पैंसरी को रेलवे हेल्थ यूनिट में परिवर्तित करने के लिए स्थल का चयन भी किया जा चुका है। आने वाले समय में बहुत जल्द ही नए भवन में रेलवे हेल्थ यूनिट प्रारंभ करने की योजना है इस बाबत रेल प्रशासन द्वारा एक संयुक्त जांच रिपोर्ट भी मंडल प्रबंधक हावड़ा को भेजा जा चुका है ताकि पाकुड़ में कार्यरत एवं आसपास के क्षेत्र में कार्यरत सभी रेल कर्मियों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

टेंपो की चपेट में आने से महिला घायल

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र के पेटखासा गांव समीप एक 45 वर्षीया महिला टेंपो के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार महिला सुहागन हांसदा पहाड़पुर गांव के रहने वाली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला पहाड़पुर गांव से बरहेट साप्ताहिक हटिया जामुन बेचने बरहेट की ओर जा रहा था। इसी दौरान महिला टेंपो की चपेट में आने से घायल हो गया। ग्रामीणों ने इलाज के लिए बरहेट स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां डॉक्टर बबलू कुमार ने प्राथमिक उपचार करने के उपरांत गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर साहिबगंज रेफर कर दिया।

चोरों ने बंद घर में चोरी की घटना को दिया अंजाम

साहिबगंज/बरहरवा : कोटालपोखर थाना क्षेत्र के छोटा सोनकड़ गाँव में मृत्युंजय कुमार साह के बंद घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। इस चोरी कांड में घर में रखे 10 ग्राम सोने के जेवरात, घर में लगा सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर, करीब 40,000 रुपया कैश के साथ तांबा एवं पीतल के मूर्ति की चोरी कर ली गई है। चोरों के द्वारा तीन-चार रूम का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दिया गया है। घर का मालिक मृत्युंजय कुमार साह अपने परिवार के साथ किसी काम से बिहार गए हुए थे। घर पर दो स्टाफ था, वह किसी काम से हिरणपुर थाना क्षेत्र के सीतपहाड़ी गया हुआ था। घटना सोमवार की संध्या 7:00 बजे से 11:00 बजे के बीच की है। इस संबंध में कोटालपोखर थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं मृत्युंजय कुमार ने बताया कि दो वर्ष पूर्व भी हमारे इसी घर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी किया था। उक्त मामले में भी कोटालपोखर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी, लेकिन उक्त मामले का भी खुलासा नहीं हो पाया है।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत बरहरवा प्रखंड में आज एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायतों से बड़ी संख्या में लाभुकों और बागवानी सखियों ने हिस्सा लिया, साथ ही विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम बागवानी के महत्व को उजागर करना, किसानों और ग्रामीण महिलाओं को इस दिशा में प्रेरित करना, तथा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी सार्वजनिक करना था। यह मेला ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में डीडीसी सतीश चंद्रा साहिबगंज, बीडीओ, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार, और कांग्रेस प्रतिनिधि बरकत अली खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) से डीएलएम अनिरुद्ध, डीएफएम, बीपीएम फैज आलम, बीआरपी-एलएच रामू कुमार, रहीम विश्वास, मिथुन मंडल, और दीपक मंडल ने भी इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

बागवानी सखियों और लाभुकों ने साझा किए अनुभव

मेले में बागवानी सखी आशा लता मंडल और कारमेला हेंब्रम सहित प्रखंड की सभी पंचायतों से आईं सखियों ने बागवानी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त, योजना से लाभान्वित हुई पुष्पा दीदी, नंदिता देवी, सोना हेंब्रम समेत कई लाभुक भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने अनुभव बताए और साझा किया कि किस तरह आम बागवानी से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। यह आयोजन बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सफल कदम रहा।

नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाई किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नशा उन्मूलन को लेकर जिले में जागरूकता फैलाने हेतु आज समाहरणालय प्रांगण से नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ को डीसी हेमंत सती ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा और समाज में व्याप्त नशा की प्रवृत्ति को खत्म करने के उद्देश्य से जन संवाद स्थापित करेगा। इस अवसर पर डीसी ने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है और इसके खिलाफ जनजागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने यह भी कहा कि यह रथ केवल प्रचार वाहन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का माध्यम बनेगा। मौके पर उपस्थित अपर समाहर्ता गौतम भगत ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि जन सहयोग से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव ने बताया कि रथ के माध्यम से नुक्कड़ नाटक, ऑडियो-विजुअल माध्यम और बैनर-पोस्टर के जरिए नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

डीसी की अध्यक्षता में सीवरेज एवं जल शुद्धिकरण कार्यों की हुई समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नमामि गंगे परियोजना के तहत नगर क्षेत्र में जल प्रदूषण की रोकथाम और गंगा नदी के संरक्षण के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी सीवरेज व्यवस्था, जल शुद्धिकरण उपायों तथा अन्य संबंधित कार्यों की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया एवं भावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के उन्नयन, इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन कार्यों की प्रगति, तथा स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की गई। विशेषकर आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। साहिबगंज नगर क्षेत्र में संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट संयंत्र की वर्तमान क्षमता, कार्य शीलता और उन्नयन की आवश्यकता पर आधारित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। गंगा नदी में सीधे गिरने वाले नालों को नियंत्रित करने हेतु इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं शेष कार्यों के शीघ्र निष्पादन हेतु रणनीति पर विचार किया गया। वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज नेटवर्क की स्थिति एवं सुधारात्मक कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन, शहरी विकास विभाग, तथा तकनीकी सलाहकार संस्थाओं एमएसवी-कंसल्टेंट एवं ज्यूडिको के प्रतिनिधियों द्वारा परियोजना के विभिन्न पहलुओं का तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सब-वे में जलजमाव की समस्या को लेकर ईजरप्पा के प्रतिनिधिमंडल ने किया स्थलीय निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कुलापहाड़ी स्थित एलसी गेट नंबर 40 का निरीक्षण किया। यहां सब-वे में जल जमाव की समस्या से लगातार जूझ रहे संग्रामपुर, कुलापहाड़ी और तिलभिठा ग्राम वासियों की इस वृहद समस्या को लेकर ईजरप्पा के प्रतिनिधिमंडल ने स्थल का निरीक्षण किया। बता दें कि हाल ही में पूर्व रेल प्रशासन के द्वारा अपूर्ण भूमिगत पथ का निर्माण के उपरांत कुलापहाड़ी स्थित एलसी गेट नंबर 40 को आमजनों के आवागमन के लिए स्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। जिससे आमजनों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। जिस वजह से ग्रामीणों में काफी रोष भी है। इधर हिसाबी राय ने बताया कि इस समस्या को देखते हुए ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के द्वारा मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा सहित रेलवे के संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर सब-वे में जल जमाव की समस्या से अवगत कराया गया था। जिस पर उन्होंने उक्त समस्या के समाधान हेतू उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। पुनः रेल समस्याओं को लेकर ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल महाप्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता तथा मंडल रेल प्रबंधक पुर्व रेलवे हावड़ा से मिलकर अवगत कराएगी। इस बाबत ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल सबवे का ग्राउंड जीरो का निरिक्षण कर जानकारी प्राप्त किया गया। जिसमें पाया गया कि सब-वे में जल जमाव के लिए जो उपाय रेलवे के द्वारा किया जा रहा है, वह नाकाफी है। इस हेतु कम से कम चार कावकेचर तथा जल निकासी हेतू स्थाई मोटर का अधिष्ठापन सब-वे में विद्युत आपूर्ति की सुदृढ़ व्यवस्था करने की आवश्यकता है। जिससे ईजरप्पा के द्वारा रेलवे के उच्च पदाधिकारी को अवगत कराकर समस्या का समाधान करवाएगी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईजरप्पा अध्यक्ष सह भाजपा नेता हिसाबी राय ने किया। मौके पर ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला, सह सचिव सह भाजपा नगर महामंत्री सुशील साहा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजा अंसारी, सादेकुल शेख, अलीम शेख, हाबिर शेख एवं ग्रामीण भी मौजूद थे।

कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : झारखण्ड बोर्ड की ओर से कक्षा 10वीं के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। जिसमें छात्रों का कुल पास प्रतिशत 90.39 दर्ज किया गया है।

वहीं अमड़ापाड़ा प्रखंड की छात्रा मानवी कुमारी ने 92.6% अंक प्राप्त कर प्रखंड में पहला स्थान प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि छात्रा मानवी कुमारी प्रीपेरेटरी सेंटर, अमड़ापाड़ा की विद्यार्थी रही है। जिसके निदेशक आकाश भगत ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं दी। आज आयोजित सम्मान समारोह में छात्रा मानवी ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने सभी शिक्षक शिक्षिकाओ और अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने बताया कि बहुत लगन से पढ़ाई की थी, नतीजा अच्छा रहा। बहुत खुशी हो रही है। ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कोचिंग प्रिपेरेट्री सेंटर, अमड़ापाड़ा के आठवीं, नवीं, दसवीं तथा बारहवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। इस खुशी के अवसर पर आज प्रिपरेटरी सेंटर में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के द्वारा केक काट कर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर आज सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया साथ सभी छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

नगर निगम विस्तार योजना के विरोध में आदिवासी समाज का उग्र प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम मंगलवार को आदिवासी समाज ने जमशेदपुर नगर निगम में पंचायत क्षेत्रों को शामिल करने की प्रस्तावित योजना के विरोध में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। मांझी परगना महाल, मानकी-मुंडा समाज, भूमिज मुंडा समाज और जमशेदपुर प्रखंड मुखिया संघ के प्रतिनिधि सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप, पारंपरिक वेशभूषा और बैनरों के साथ आदिवासियों ने अपनी असहमति दर्ज कराई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नगर निगम विस्तार योजना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243(जेड सी) का उल्लंघन है, विशेषकर झारखंड के पांचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में। इस मौके पर जुगसलाई तोरोप परगना दशमत हांसदा ने कहा कि यह आदिवासी स्वशासन, संस्कृति और परंपरा पर सीधा हमला है। उनका कहना था कि नगर निगम बनने के बाद आदिवासियों पर उनकी जमीनों के लिए कर का भारी बोझ पड़ेगा, जिससे उनकी आजीविका पर संकट आएगा। प्रदर्शनकारियों ने इसे केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और अस्तित्व की लड़ाई बताया। आदिवासी नेताओं ने तीन प्रमुख मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं इनमें सरना धर्म कोड को अविलंब लागू करने, झारखंड में पेसा कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करने और जमशेदपुर नगर निगम विस्तार योजना को रद्द करना शामिल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने उनकी मांगों को नहीं माना तो आदिवासी समाज आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार रहेगा और आंदोलन को और भी व्यापक व उग्र बनाया जाएगा। आदिवासी नेताओं ने कहा कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन राज्य स्तर पर ले जाया जाएगा, ताकि आदिवासी अस्मिता, अधिकार और अस्तित्व की रक्षा की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

बरहेट पुलिस ने पहाड़ी क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण सर्च ऑपरेशन चलाया

साहिबगंज : जिला के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर बढ़ते अपराध को देखते हुए, अपराध नियंत्रण को लेकर बरहेट थाना पुलिस को पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन का आदेश दिया गया है। अपराध नियंत्रण के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए बरहेट पुलिस द्वारा बड़ा उदाली, छोटा उदाली, कादली गोड़ा, कोटरो पहाड़, मानसिंदरी पहाड़ी इलाका जो गोड्डा जिला के सुंदरपहाड़ी थाना, राजभीठा थाना एवं ललमटिया थाना तथा साहिबगंज जिला के बोरियों थाना एवं बरहेट थाना के पहाड़ी इलाका से सटा हुआ सीमावर्ती क्षेत्र है। इन क्षेत्रों में आपराधिक तत्वों के रहने एवं छुपाने कि सूचना प्रायः मिलती है। जहां पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस टीम द्वारा उस क्षेत्र में एलआरपी के माध्यम से छापामारी की जा रही है। जहां जिला को अपराध नियंत्रण में कमी ला सके।

आम तोड़ने में दो पक्षों में आपसी विवाद में हुए मारपीट में 6 लोग घायल

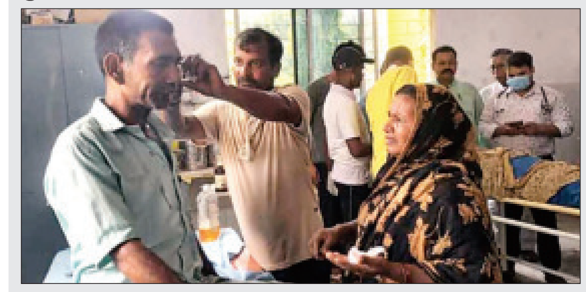

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र अंतर्गत हापू टोला गांव में मंगलवार को आपसी विवाद में हुई मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मयमुल शेख 54 वर्षीय, रोशना बीबी 46 वर्षीया, दूसरे पक्ष ताहिरा बीबी 56 वर्षीया, नईम शेख 16 वर्षीय, वसीम शेख 16 वर्षीय, सेलिना खातून 15 वर्षीया, के बीच आम तोड़ने को लेकर हुए विवाद में जमकर मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अपने-अपने परिजनों के मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। मामले को लेकर ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।

अबुआ आवास योजना के लाभुकों को सौंपा गया नवनिर्मित घर

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड अंतर्गत सभी 23 पंचायतों में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के पूर्ण आवासों के तहत संचालित विशेष अभियान का हिस्सा रहा। कार्यक्रम के तहत चयनित लाभुकों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराया गया, जिसमें 250 घरों में फीता काटकर, नारियल फोड़कर एवं चाभी सौंपकर लाभुकों को उनका स्वप्निल आशियाना सौंपा गया। मुख्य कार्यक्रम के तहत पंचायत खुटहरी में राजमहल विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ द्वारा पूनम देवी, रीता देवी, बोगियां देवी सहित अन्य लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने लाभुकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की मंशा हर परिवार को छत मुहैया कराकर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन देने की है। साथ ही उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभुकों को आजीविका सशक्तिकरण योजनाओं से जोड़ते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को और बेहतर किया जाए। अन्य पंचायतों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। महासिंहपुर पंचायत में जिला परिषद सदस्य सुष्मिता देवी, तेतुलिया पंचायत में जिला परिषद सदस्य रणधीर सिंह तथा पूर्वी जामनगर पंचायत में जिला परिषद सदस्य मो. बारीक शेख द्वारा गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न कराया गया। अन्य पंचायतों में संबंधित पंचायत मुखिया की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कोटालपोखर आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण, जल्द शुरू होंगे बंद केंद्र : बरकत खान

बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर क्षेत्र में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कोटालपोखर क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नवनिर्मित लेकिन बंद पड़े आंगनबाड़ी केंद्रों को जल्द शुरू करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि केंद्रों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें और गंदगी न फैलाएं।बरकत खान ने केंद्रों में मौजूद सुविधाओं, बच्चों को मिलने वाले पूरक पोषण आहार और स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, साथ ही गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार नियमित रूप से उपलब्ध हो। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष रंजित भंडारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष समीम मंसूरी, गुड्डू मंसूरी, अजय साह, बिनोद घोष, श्याम ठाकुर, मोइनुद्दीन मंसूरी सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी ने आंगनबाड़ी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

शोभनपुर मठिया निवासी बालक की संदेहास्पद स्थिति में हुई मौत,

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर मठिया निवासी बालक श्रेयस कुमार का मंगलवार को संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गया। जहां मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने बालक के शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल लेकर आए जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करते हुए परिजनों को शव सौंप दिया। हालांकि बालक की मौत किन कारणों से हुई है यह अब तक परिजन स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहे हैं। जहां मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

हेलमेट पहना, पिस्टल सटाई और धांय...

पटना में मां-बेटी के मर्डर की वजह आई सामने

पटना । बिहार की राजधानी पटना में बाइक से आए अपराधियों का इरादा मां-बेटी को किसी हाल में खत्म करना था, इसी कारण दोनों के सिर में सटाकर गोली मारी गई, ताकि बचने की कोई संभावना नहीं रह जाए। वहीं, लकवाग्रस्त पिता के हाथ व पैर को निशाना बनाकर तीन गोलियां मारीं, जो घायल स्थिति में एनएमसीएच में भर्ती हैं। आशंका यह भी जताई जा रही है कि तीनों हमलावरों में कोई पहचान का था, इसलिए तीनों ने हेलमेट पहन रखा था। बहरहाल, पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।सीसीटीवी फुटेज में अपराधियों का हुलिया और उनकी बाइक का मॉडल व नंबर कैद हो गया है। शीघ्र ही सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। मर्डर के पीछे पुरानी रंजिश को भी एक वजह के तौर पर देखा जा रहा है। सहायक पुलिस अधीक्षक अतुलेश झा ने बताया कि आलमगंज क्षेत्र में नहर से सटे अरफाबाद कॉलोनी में दंपती व पुत्री को चार मंजिला घर के बाहर गोली मारने की सूचना मिली थी। वह आलमगंज थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर के साथ घटनास्थल पहुंचे। जांच में पता चला कि सुबह लगभग नौ बजे पति-पत्नी व बेटी घर के बाहर सीढ़ी पर बैठी थी। इसी दौरान एक ही बाइक से तीन अपराधी पहुंचे। अपराधियों ने पहले मां-बेटी के सिर में पिस्टल सटाकर गोली मारी, फिर लकवाग्रस्त पिता को ताबड़तोड़ तीन गोली मारी। गोली लगने से मां-बेटी वहीं गिर गई। एनएमसीएच में अपराधियों की गोलियों से घायल धनंजय बार-बार कह रहे थे कि डॉक्टर साहब पत्नी और पुत्री को बचा लीजिए। यह कहकर वे बेहोश हो जा रहे थे। साथ आए लोग उन्हें संभालने को झूठी तसल्ली दे रहे थे कि मां-बेटी का उपचार जारी है। आलमगंज थाना क्षेत्र की अरफाबाद कॉलोनी में तीन अपराधियों ने पति-पत्नी व बेटी को गोली मार दी। वर्ष 2020 की पांच जुलाई को एनएमसीएच की तत्कालीन नर्स महालक्ष्मी ने घर पर ईंट-पत्थर फेंकने और धमकी देने का केस किया था। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि घटना में तत्काल कुछ स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इस वारदात को इसी पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। जांच आगे बढ़ने के साथ कई और बातें भी साफ होंगी। बहरहाल, यह साफ है कि हमलावर मां-बेटी को खत्म करने के इरादे से ही आए थे। पुलिस मामले की जांच के क्रम में छापामारी में जुटी हुई है। बता दें कि इस वारदात का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इसमें हेलमेट पहने अपराधियों को घटनास्थल पर खड़े हुए देखा जा सकता है।

दोपहर लगभग एक बजे घटनास्थल पहुंचे एसएसपी अवकाश कुमार ने निरीक्षण के बाद बताया कि अरफाबाद में दंपती व पुत्री को गोली मारने की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने उन तीनों को अस्पताल पहुंचाया। एनएमसीएच में मां-बेटी को मृत घोषित किया गया। घायल पति के बयान के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। तीन बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है। शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

12 हजार फीट से बिहार की बेटी ने लगाई छलांग

पटना। बिहार की बेटी अनामिका शर्मा (21) ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। भारत की सबसे कम उम्र की स्काई डाइवर अनामिका ने थाईलैंड के बैंकॉक में 12,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर 'ऑपरेशन सिंदूर' का झंडा लहराया। यह साहसिक कार्य उन्होंने 5 जून को भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे किया। अनामिका के पिता अजय कुमार शर्मा एक रिटायर्ड एयरफोर्स जवान हैं। उनका परिवार वर्तमान में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में रहता है। अनामिका मूल रूप से जहानाबाद जिले के मखदुमपुर प्रखंड के कनौली गांव की रहने वाली है, जहां उनके दादाजी भी रहते हैं। इससे पहले भी अनामिका ने थाईलैंड के बैंकॉक में कुंभ ध्वज फहराकर सुर्खियां बटोरी थीं। यह छलांग भारतीय सेना के सम्मान में लगाई गई है। विशेष रूप से पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को सम्मान देने के लिए यह प्रयास किया गया। अनामिका के पिता का कहना है कि संघर्ष से ही सफलता मिलती है। एक छोटे कस्बे से निकलकर उनकी बेटी आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

बिहार में अब नहीं गिरेंगे पुल ?

पटना। ब्रिज हेल्थ इंडेक्स (बीएचआई) के आधार पर पुलों के रख-रखाव की प्राथमिकता तय होगी। बीएचआई का वैल्यू शून्य से सौ के बीच होगा। जिस पुल का बीएचआई कम होगा, वह अधिक जर्जर माना जाएगा। पुलों के रख-रखाव को ले पथ निर्माण विभाग द्वारा बनायी गयी नीति में इस बात का प्रविधान किया गया है। पुलों की भौतिक स्थिति का आधार बीएचआई से तय होगा। इसके तहत जो पुल अधिक जर्जर पाए जाएंगे, उनके लिए मेंटेनेंस प्रायोरिटी इंडेक्स (एमपीआई) बनेगा। एमपीआई के माध्यम से पुलों की ज्योमिट्री, निधि के उपयोग, पुल के डिजायन के कारकों, रख-रखाव की तात्कालिकता, पुल के महत्व आदि को देखा जाएगा।पुल के विभिन्न घटकों की भौतिक स्थिति का आकलन नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्ट, सेंसर डाटा रिपोर्ट या फिर अन्य माध्यम से किया जाएगा। मरम्मत की प्रकृति सात श्रेणी में तय होगी पुलों के मरम्मत की प्रकृति सात श्रेणी के तहत तय की जाएगी। इनमें प्रारंभिक सुधार, सामान्य संधारण,

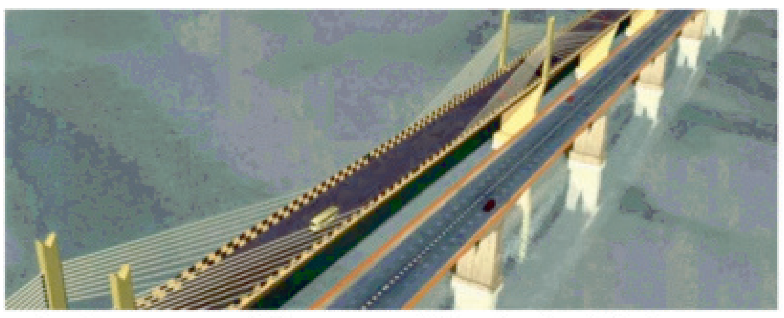

सामयिक संधारण, लघु सुधार, विशेष मरम्मत, असाधारण मरम्मत तथा अप्रत्याशित मरम्मत शामिल हैं। इनमें प्रारंभिक सुधार कार्य, विशेष मरम्मत का काम आइटम रेट के आधार पर किया जाएगा। वहीं, नियमित संधारण एसं सामयिक संधारण प्रति मीटर की दर से किया जाएगा। पुलों के प्रबंधन की प्रक्रिया सेतु प्रबंधन उपभाग तथा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा सभी पुलों के हेल्थ कार्ड का संधारण बीएचआई में दर्ज पैमाने के आधार पर तय किया जाएगा। पुलों के प्रबंधन के अंतर्गत तीन मुख्य घटक होंगे। पहला घटक ब्रिज डाटा संग्रह का होगा। इसके तहत पुलों का विजुअल निरीक्षण, सेंसर व ड्रोन का उपयोग कर ब्रिज डाटा का संग्रह किया जाएगा। दूसरे घटक के तहत पुलों की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा मशीन लर्निंग का इस्तेमाल होगा। तीसरे घटक के तहत विश्लेषण के आधार पर पुलों के अनुरक्षण का काम किया जाएगा। रियल टाइम मॉनिटरिंग भी इसमें शामिल है।

मुजफ्फरपुर में मिला कंकाल और नरमुंड, हत्या की आशंका, इलाके में सनसनी

मुजफ्फरपुर। जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास स्थित एक चौड़ में मंगलवार को एक कंकाल और नरमुंड मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। कंकाल देख ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास स्थित एक चौड़ में मंगलवार को एक कंकाल और नरमुंड मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। कंकाल देख ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और त्र्रछ (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गांव के सत्यनारायण साह की बेटी मिक्की कुमारी (उम्र 20 वर्ष) का प्रेम संबंध गांव के ही विक्रम सहनी से था। दोनों ने करीब डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसको लेकर मिक्की के पिता ने उस वक्त थाने में जबरन ले जाने और शादी कराने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मिक्की के परिजनों को 27 मई को सूचना मिली कि उसकी हत्या कर दी गई है। तब से परिजन बेटी की तलाश में जुटे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उनकी कोई मदद नहीं की। उन्होंने खुद आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी के परिजन फरार हो गए। अब चौड़ में मिला कंकाल उसी युवती का बताया जा रहा है। मिक्की के पिता सत्यनारायण साह ने भावुक होकर कहा, ﴾मेरी बेटी की जला कर हत्या कर दी गई है। उसकी लाश आज मिली है। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा मिले, तभी मुझे न्याय मिलेगा।﴿मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास एक चौड़ में मिले जले हुए कंकाल को लेकर ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि मौके से एक महिला की जली हुई डेड बॉडी का कंकाल बरामद किया गया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह कंकाल उनके ही गांव के निवासी की लापता बेटी का है, जिसे हत्या कर जलाया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने FSL (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को जांच के लिए मौके पर भेजा है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि इस मामले में पहले से ही एक प्राथमिकी दर्ज है। अब बरामद कंकाल का उ्रछ टेस्ट कराया जाएगा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह लापता युवती का ही है या नहीं। मामले की जांच जारी है और जल्द ही सच सामने लाने की कोशिश की जा रही है।

सड़कों पर नाली का पानी: वार्डों का अजीत शर्मा ने किया दौरा

भागलपुर। मंगलवार को प्रत्यायुक्त विधानसभा समिति के सभापति सह भागलपुर विधायक अजित शर्मा ने कई वार्डों का दौरा किया। दौरा के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों स्मार्ट सिटी और बुडको के अधिकारी साथ रहे। सबसे पहले पूरी टीम दक्षिणी क्षेत्र के वार्ड नंबर-42 से 48 तक के वार्डों का निरीक्षण किया। बुडको को हर घर जल नल योजना के तहत सड़कों को कोड कर पाइपलाइन बिछाया गया है। लेकिन उसका मरम्मत नहीं किया गया। लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अजीत शर्मा ने कहा कि कल भी हमने निरीक्षण किया था। बैठक के बाद जो समस्या आई है, उसको लेकर आज मैंने वार्डों का दौरा किया। सड़कों पर नाले का पानी आ रहा है। लोगों को परेशानी हो रही है। हमारे साथ आज अधिकारियों की टीम थी। अजीत शर्मा ने कहा कि हमने फिर से 26 तारीख को बैठक बुलाया है। उसके पहले कामों को ठीक करने का आदेश दिया है। पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों का मरम्मत होना चाहिए। काम समय पर नहीं होने पर कार्रवाई होगी। नाले की भी सफाई ठीक से नहीं हो रही है, जिसके कारण नाले का पानी सड़कों पर बह रहा है। प्रत्यायुक्त विधान सभा समिति के सभापति ने अधिकारियों को 25 तारीख तक सभी कामों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। 26 तारीख को पटना में समिति की बैठक होगी। विधायक ने कहा कि अगर काम पूरी नहीं हुई, तो ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने कहा कि सरकार बेहतर काम करना चाहती है।

संक्षिप्त डायरी

सेंट्रल बैंक परिसर में दिनदहाड़े लूट, दवा व्यवसायी के कर्मी से 3.81 लाख रुपये लूटे, एक लुटेरा दबोचा गया

दरभंगा। नगर थाना क्षेत्र के टावर चौक स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात सामने आई। जैन फार्मा के स्टाफ शिवम ठाकुर से बैंक परिसर के भीतर ही तीन अज्ञात अपराधियों ने 3 लाख 81 हजार रुपये लूट लिए। भागते समय पीड़ित ने साहस दिखाते हुए एक लुटेरे को दबोच लिया, जबकि बाकी दो लुटेरे रुपये से भरा थैला लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। जिस वक्त लूट की यह घटना हुई, उस समय बैंक के गेट पर सुरक्षागार्ड तैनात नहीं था। न ही बैंक परिसर में किसी तरह का सायरन बजा। माना जा रहा है कि सुरक्षा व्यवस्था की इसी चूक का फायदा उठाकर लुटेरे आसानी से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, दवा व्यवसायी जैन फार्मा के कर्मचारी शिवम ठाकुर रोजाना की तरह दोपहर करीब 12 बजे सेंट्रल बैंक की टावर चौक शाखा में पैसे जमा करने पहुंचे थे। वह बैंक के अंदर लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी चार युवक उनके पास आए। एक युवक ने उन्हें विड्रॉल फॉर्म भरने के बारे में जानकारी पूछते हुए बातों में उलझा लिया। इसी दौरान एक अन्य युवक ने उनके हाथ से रुपयों से भरा थैला झपट लिया और फरार हो गया। जैसे ही शिवम को लूट का अहसास हुआ, उन्होंने तुरंत बैंक परिसर से ही युवकों का पीछा शुरू कर दिया। थोड़ी दूरी पर भागते हुए उन्होंने एक लुटेरे को पकड़ लिया, लेकिन बाकी दो युवक रुपये लेकर भागने में सफल हो गए। बैंक स्टाफ की सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे को अपनी हिरासत में लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बैंक के सीसीटीवी फुटेज में चार युवक दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से तीन ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस फरार लुटेरों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

किशनगंज में दो भीषण सड़क हादसे: खराब डंपर में कंटेनर ने मारी टक्कर, चालक की मौत

किशनगंज। जिले में मंगलवार को दो अलग-अलग जगहों पर भीषण सड़क हादसे हुए, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इन हादसों में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसों के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। बहादुरगंज थाना क्षेत्र के दारुल उलूम चौक के पास की है। यहां नेशनल हाईवे पर एक खराब डंपर खड़ा था, जिसे चालक मजीरुल सड़क किनारे खड़ा कर उसकी मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रहे एक कंटेनर ने पीछे से डंपर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और डंपर चालक मजीरुल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। हादसे की सूचना मिलते ही बहादुरगंज थाने के प्रभारी निशिकांत कुमार मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम करीब चार बजे हुई। तेज रफ्तार एक ट्रक हाईवे की रेलिंग से टकराकर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। हादसों के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि जब से यह सड़क फोरलेन बनी है, तब से दुर्घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। अधिकतर हादसे तेज रफ्तार और चालकों की लापरवाही की वजह से होते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस रूट पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

8 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

रोहतास। काराकाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। बहुआरा गांव के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तस्कर को 8 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गुप्तेश्वर प्रसाद के रूप में हुई है। वह भोजपुर जिले के उदवंतपुर थाना क्षेत्र के नवादा बेन गांव का रहने वाला है। वह डेहरी से गांजा लेकर पटना जा रहा था। काराकाट थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस ने नासरीगंज की ओर से आ रही बस को रोका। इस दौरान एक व्यक्ति पिट्ठू बैग और झोला लेकर बस से उतरकर भागने लगा। पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके बैग की जांच में 8 किलो गांजा बरामद हुआ। बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भोजपुर के उदवंतनगर थाने में पहले से एक मामला दर्ज है।

महागठबंधन की बैठक के दौरान कांग्रेस का प्रदर्शन

पटना। 12 जून को महागठबंधन की चौथी बैठक तेजस्वी आवास पर होगी। उसी दिन बिहार में कांग्रेस एक बड़ा प्रदर्शन करने वाली है। 12 जून को कांग्रेस 25 जिलों में 'नौकरी दो या सत्ता छोड़ो' आंदोलन करेगी। इसमें कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा, अलका लांबा सहित कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के नेता, 25 जिलों के रोजगार केंद्र के सामने प्रोटेस्ट करेंगे। वे मांग करेंगे कि बिहार में रिक्त पदों पर बहाली हो। इसमें पटना, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया, गया, औरंगाबाद, सासाराम, सुपौल, कटिहार, भागलपुर, सीतामढ़ी, बक्सर, बेगूसराय, समस्तीपुर, खगड़िया, वैशाली, अररिया, मधुबनी, सारण, भोजपुर, पूर्णिया, सिवान सहित अन्य जिलों में प्रदर्शन होगा। इस प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं की हताशा के विरुद्ध आवाज उठाना है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आज का युवा 2030 तक नीतीश कुमार को झेलने के लिए तैयार नहीं है। बिहार की सरकार नट बोल्ट पर चल रही है। हम जनहित के मुद्दों के साथ चुनाव लड़ेंगे। यदि महागठबंधन की सरकार आएगी तो हमलोग सभी विभागों के रिक्त पदों पर नौकरी बहाल करेंगे और यहीं के लोगों को रोजगार देंगे। राजेश राम ने NDA सरकार से पांच सवाल किए हैं। उन्होंने कहा कि 45 विभागों में 5 लाख पद रिक्त है। पहला सवाल है कि इन खाली पदों पर भर्ती क्यों नहीं हो रही है। दूसरा सवाल है कि बिहार को पेपर लीक का अड्डा किस सरकार ने बनाया है, इसकी भी निष्पक्ष जांच हो। इस जांच में जो लोग दोषी पाए जाएं उन पर कार्यवाही हो। तीसरा सवाल है कि संविदाकर्मियों के साथ धोखा क्यों? बिहार में 7 लाख से ज्यादा संविदाकर्मी काम करते हैं, इन्हें पक्की नौकरी देनी होगी। चौथा सवाल है कि समान काम का समान वेतन मिले। इसमें संविदा शिक्षक, होम गार्ड, आशा कार्यकर्ता शामिल हैं। पांचवां सवाल है कि करोड़ों प्रतिभाओं के पलायन की जिम्मेदारी कि सरकार की है? 4 करोड़ से ज्यादा युवा बिहार छोड़ दूसरे राज्य में नौकरी करने को मजबूर हैं। राजेश राम ने राहुल गांधी के गयाजी दौरे के दौरान दशरथ मांझी के घर के बाहर VIP टॉयलेट के सवाल पर कहा कि हमारे किसी भी कार्यक्रम की जानकारी जिला प्रशासन को दी जाती है।

नहाने के लिए खतरों से खेल रहे बच्चे

पश्चिमी चंपारण। मैनाटाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिवेणी कैनाल के नीचे बहने वाली थेथरी नदी इन दिनों हादसों को न्योता दे रही है। इस नदी में प्रतिदिन मैनाटाड़ प्रखंड के मैनाटाड़, इनरवा, सकरौल, भंगहा, हाजमा टोला, सकरौल सहित नेपाल के जानकी टोला और अवसारी गांवों से सैकड़ों की संख्या में बच्चे और युवक नहाने पहुंचते हैं। लेकिन यह स्थान नहाने के लिहाज से बेहद खतरनाक बन चुका है। नदी जिस पुल के नीचे से गुजरती है, वह अंग्रेजों के जमाने का बना हुआ है और अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। पुल की दीवारों में दरारें स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं, जो किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं।

इसके बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही इस पुल से लगातार जारी है। हैरानी की बात यह है कि अब तक न तो पुल पर कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही इसकी मरम्मत की प्रक्रिया शुरू की गई है। नदी के अंदर कई स्थानों पर छोटे-छोटे पत्थरों के टिले हैं, जिन पर फिसलकर बच्चों के गिरने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। प्रतिदिन कई बच्चे चोटिल हो रहे हैं। नदी में तेज बहाव और अनिश्चित गहराई के बावजूद वहां कोई निगरानी व्यवस्था नहीं है। स्थानीय लोग लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो कोई बड़ा हादसा होकर रहेगा। स्थानीय ग्रामीणों मंसूर आलम, झुनमुन प्रसाद, नसीम अख्तर, पूर्व मुखिया अशोक राम, राजन राम, कमलेश तिवारी और कैलाश यादव ने चिंता जताते हुए कहा कि थेथरी नदी में नहाना बेहद खतरनाक है। न तो पुल की मरम्मत की जा रही है, न ही नहाने वालों को रोकने के लिए कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है, और न ही सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। जब इस संबंध में मैनाटाड़ थानाध्यक्ष राणा प्रसाद से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि उन्हें स्थिति की जानकारी नहीं थी। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि अब पुलिस की ओर से नदी पर नजर रखी जाएगी और बच्चों को नहाने से रोकने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। मंगलवार को नदी में नहाने के दौरान नेपाल के अवसारी गांव निवासी दो किशोर राकेश कुमार और प्रदीप कुमार के मोबाइल फोन चोरी हो गए। यह घटना दशार्ती है कि यह स्थान न केवल जान के लिए खतरा है, बल्कि लोगों की संपत्ति भी सुरक्षित नहीं है। जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ अभियंता सुजीत कुमार ने बताया कि नहर से गिरने वाला पानी नदी में जा रहा है, जिसमें बच्चे नहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इस पानी को गिरना बंद करा दिया जाएगा ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। यदि थेथरी नदी में नहाने की प्रवृत्ति पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई और जर्जर पुल की मरम्मत नहीं की गई, तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना टाली नहीं जा सकेगी। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल चेतावनी बोर्ड लगाए, पुलिस गश्ती बढ़ाए और जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को नदी में नहाने से रोका जाए।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंततः आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

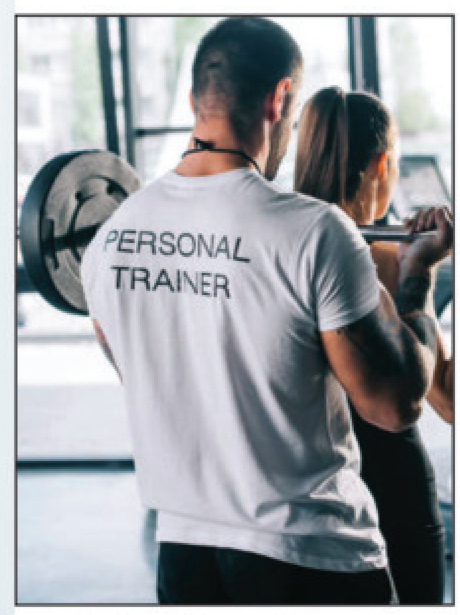

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

धोनी आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गये 11वें भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2004 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही धोनी ने 2007 में पहले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे जीत दिलायी थी। उन्होंने 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं।

आईसीसी ने धोनी के नाम की घोषणा करते हुए कहा, कठिन हालातों में भी अपने शांत स्वभाव और अनूठे रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने के साथ ही साथ ही छोटे प्रारूपों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी और सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईसीसी उन्हें क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। साथ ही कहा, भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दिखाते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा।

वहीं धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। गौरतलब है कि धोनी ने अपने करियर में 350 एकदिवसीय मैचों में 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाये। वहीं, धोनी ने 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन बनाये। विकेटकीपिंग की बात की जाये तो वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले भारतीय विकेटकीपर हैं। वहीं विश्वस्तर पर वह तीसरे नंबर के विकेटीपर हैं। आईसीसी ने अब तक अपने हॉल ऑफ फेम 2025 में सात क्रिकेटरों को शामिल किया, जिसमें पांच पुरुष और दो महिला खिलाड़ी हैं। धोनी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी सम्मानित किया गया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस सूची में जगह मिली है। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर और न्यूजीलैंड की पूर्व क्रिकेटर सारा टेलर को भी शामिल किया गया। हॉल ऑफ में शामिल भारतीय क्रिकेटर हैं सुनील गावस्कर , बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीनू मांकड़, डायना एडुल्जी,वीरेंद्र सहवाग, नीतू डेविड, धोनी

डब्ल्यूटीसी फाइनल में स्मिथ और रबाडा के बीच होगा कड़ा मुकाबला

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के बीच कड़ा संघर्ष होने की संभावना है। स्मिथ जहां बड़ा स्कोर बनाने उतरेंगे वहीं रबाडा की नजरें उनके विकेट पर रहेंगी। अब तक इन दोनो के बीच 15 पारियों में टक्कर हुई है। इस दौरान स्मिथ ने 262 गेंद में 128 रन बनाये हैं। वहीं रबाडा ने उन्हें चार बार आउट किया है। रबाडा के खिलाफ स्मिथ का स्ट्राइक रेट 32.00 रहा है। इस दौरान स्मिथ ने 16 चौके और दो छक्के लगाये हैं।

वहीं लॉर्ड्स की बात करें तो इसमें रबाडा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उनका औसत 19.38 है, जो फाइनल में खेलने वाले सभी गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है)। वह ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 21.10, जोश हेजलवुड 26.15 और मिशेल स्टार्क 33.62 से पीछे हैं। उन्होंने इस स्थल पर खेले गए इन दो टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/52 रहा है। दूसरी ओर स्मिथ भी लॉर्ड्स में खासे सफल रहे हैं। उन्होंने यहां पांच टेस्ट और 9 पारियों में 58.33 की औसत से 525 रन बनाए हैं जिसमें 9 पारियों में दो शतक और अर्द्धशतक शामिल हैं। इस स्थल पर उनकी आखिरी पारी 2023 एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 110 रनों की पारी थी। हाल में 10,000 रन पूरे करने वाले स्मिथ रबाडा की तेज गेंदों का लाभ उठाना चाहेंगे। स्मिथ का आईसीसी नॉकआउट मैचों में शानदार रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने 12 मैचों और पारियों में 58.40 की औसत से 584 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 2023 फाइनल में भारत के खिलाफ 121 रन है।

वहीं रबाडा के पास टेस्ट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने आंकड़े सुधारने का मौका है, क्योंकि वह प्रोटियाज आइकन एलन डोनाल्ड को पछाड़कर टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से बस कुछ ही विकेट दूर हैं और दिग्गज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पछाड़कर अपनी टीम के पांचवें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

रबाडा टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के लिए पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं जिन्होंने 22.00 की औसत से 327 विकेट लिए हैं जिसमें 7/112 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा और 16 बार 5 विकेट का रिकॉर्ड शामिल है। चार और विकेट उन्हें डोनाल्ड (1992-2002 तक 72 टेस्ट में 330 विकेट) से ऊपर ले जाएंगे। टेस्ट में प्रोटियाज के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज डेल स्टेन हैं जिन्होंने 93 टेस्ट में 22.95 की औसत से 439 विकेट लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रबाडा सभी प्रारूपों में 241 मैचों में 24.27 की औसत से 566 विकेट लेकर सर्वकालिक चार्ट में छठे स्थान पर हैं जिसमें 7/112 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और 18 बार 5 विकेट शामिल हैं।

नेहाल वढेरा का दर्द छलका- मेरी वजह से हारी पंजाब किंग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 फाइनल में मिली हार अभी तक पंजाब किंग्स के बल्लेबाज नेहाल वढेरा को चुभ रही है। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले नेहाल फाइनल में पंजाब को जीत की राह नहीं दिखा पाए थे। रोमांचक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली की 43 रन की पारी की बदौलत 190/9 का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही, लेकिन शशांक सिंह ने एक छोर से रन गति जारी रखी जिससे मुकाबला जिंदा रहा। लेकिन अंत में आरसीबी जीतने में सफल रही। शशांक ने आखिरी ओवर में 4 छक्के लगाए लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं थे। किंग्स को मात्र 6 रन से हार झेलनी पड़ी।

नेहाल वढेरा को भी आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 गेंदों में केवल 15 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक छक्का शामिल था। उनकी धीमी पारी के कारण पंजाब की टीम रन गति में तेजी को बरकरार नहीं रख पाई। अपने इस प्रदर्शन के लिए नेहाल को काफी नफरत झेलनी पड़ी थी। हाल ही में वढेरा ने एक इंटरव्यू में हार के लिए

खुद को जिम्मेदार ठहराया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह समय पर रन गति बढ़ा पाते तो पंजाब किंग्स अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत सकता था। वढेरा ने कहा कि मैं आईपीएल 2025 फाइनल की हार के लिए पूरी तरह खुद को जिम्मेदार मानता हूं। अगर मैं बेहतर खेलता तो हम आईपीएल जीत सकते थे। टूर्नामेंट में पहले जब मुझे तेजी लानी थी, मैंने ऐसा किया और यह कारगर रहा, सिवाय आखिरी मैच के।

वढेरा ने स्वीकार किया कि वे सीजन के सबसे महत्वपूर्ण मैच में प्रभाव नहीं डाल सके। हालांकि 24 वर्षीय खिलाड़ी का टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा और वे रनों के मामले में अव्वल रहे। शुरुआत में वे प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद नहीं थे, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपनी जगह पक्की की। उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया और 16 पारियों में 369 रन बनाए।

पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पूरन अभी 29 साल के ही हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है, ऐसे में उनके संन्यास लेने से प्रशंसक निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि उसे पूरन ने संन्यास लेने की जानकारी दी है। पूरन हाल ही में संन्यास लेने वाले दूसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

पूरन ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की हे। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, राष्ट्रीय गीत के लिए खड़े होना, और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना गर्व का अनुभवी कराती है। इसके साथ ही टीम का कप्तान होना भी एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब मानता हूं।

उन्होंने साथ ही लिखा, प्रशंसकों के प्यार के लिए मैं उनका आभारी हूं। साथ ही कहा कि आपने कठिन पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं।

गौरतलब है कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने साल 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज की ओर से खेला था, वहीं साल 2016 में उन्हें टी20आई प्रारुप में सीनियर टीम की ओर से खेलने का अवसर मिला।

इसके बाद 2018 में पूरन ने एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन के कारण 2019 विश्व कप में अवसर मिला।

साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 विश्व कप के लिएव टीम के उप-कप्तान बनाये गये जबकि और साल 2022 में उन्हें सीमित ओवरों की कप्तानी मिली।

पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से 61 एकदिवसीय में 39.66 के औसत से 1983 रन बनाये हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं 106 टी20आई मुकाबलों में उनके नाम 13 अर्धशतक से 2275 रन हैं। इस प्रारुप में उनका औसत 26.14 रन रहा है।

काउंटी चैम्पियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे रूतुराज गायकवाड़

लीड्स । भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिए यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे । यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है । गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा हैं जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रूतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं ।' इसमें कहा गया, 'दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिये पारी का आगाज भी कर चुका है ।' गायकवाड़ ने कहा, 'मैं हमेशा से यहां काउंटी क्रिकेट खेलना चाहता था और यॉर्कशर से बड़ा इंग्लैंड का कोई क्लब नहीं होगा ।'

प्रो लीग : लगातार दो हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2.1 और 3.2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढत बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा।

पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने

की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई मैच आसान नहीं होता।' दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट की काफी तैयारी की है और कई संयोजन आजमाए। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।' अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन हम कुछ भी हलके में नहीं ले रहे। ये नतीजे अतीत के हैं और हमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने के लिये अभी अच्छा खेलना है। हम मेहनत कर रहे हैं और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।'

पुजारा सहित कई पूर्व क्रिकेट बोले, भारतीय टीम को इंग्लैंड में हालात के अनुरुप ढ़लना होगा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इंग्लैंड में सफलता के लिए हालात के अनुसार ढ़लना होगा । इस सीरीज में भारतीय टीम को रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरना है । इसी को देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पांच टेस्ट मैचों की यह सीरीज भारत के लिए विशेष हो सकती है । इसमें उसके युवा खिलाड़ अपने कौशल से कमाल कर सकते है1 वही भारतीय टी के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'भारत को इंग्लैंड के हालात के अनुरूप ढलना होगा। ऐसे में अनुशासन, संयम और एक दूसरे का सहयोग अहम रहेगागा । टीम के हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा । वहीं पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा, 'इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन मजेदार भी रहता है । हालात के अनुकूल ढलना अहम होगा और मुझे भरोसा है कि युवा खिलाडी अपने निडर अंदाज से जीत हासिल करेंगे। गेंदबाजी में हमारे पास अनुभव और स्थिरता है जिसका लाभ टीम को मिलेगा । पूर्व ऑलराउंड इरफान पठान ने कहा, 'भारत की नई टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है पर मैं कह सकता हू कि हालात के अनुरुप ढलने पर सब कुछ आसान हो जाएगा । शुभमन की कप्तानी,में युवओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने कहा कि 25 वर्ष के गिल को टेस्ट कप्तान बनाना साहसिक फैसला है और यह निर्णायक साबित हो सकता है । उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल भारतीय टेस्ट क्रिकेट का नया चेहरा है । इंग्लैंड दौरे के लिए उसे कप्तान बनाने का फैसला साहसिक है । उसे बहुत कुछ साबित करना होगा लेकिन उसने दिखा दिया है कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है । ऋषभ पंत उप–कप्तान है और यह टीम खुद को साबित करने के लिए बेताब है ।

दक्षिण अफ्रीका को हराकर डब्ल्यूटीसी खिताब बरकरार रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी । उसने आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीती हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं । है । आईसीसी टूर्नामेंटों में वह और भी आक्रामक बनकर उतरती है । वह आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है जिसमें 10 बार उसने जीत हासिल की है । ऐसे में इस बार भी उसकी दावेदारी प्रबल मानी जा रही है । वही दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में दबाव में ढ़ह जाती है । ये एक नहीं कई बार की कहानी रही है जिससे इस बार दक्षिण अफ्रीकी युवा टीम बदलना चाहेगी । इस टीम ने अब तक आईसीसी का केवल एक टूर्नामेंट जीता है । टीम ने केवल 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था हालांकि इस बार दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिसका लाभ वह उठाना चाहेगी । टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023–25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया । इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले । टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं । उसने पिछले साल दिसंबर में ही अपनी जगह पक्की कर ली थी । ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले फाइनल जैसी ही है । केवल उसमें इस बार डेविड वार्नर नहीं हैं । मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नही खेल पाए थे । वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है । हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है । वह उसी प्रदर्शन को बनाये रखना चाहेंगे । वहीं टीम में शामिल 19 साल के सैम कॉन्सटास से भी उसे उम्मीदें हैं । ट्रेविस हेड पहली बार की तरह ही इस बार भी अपनी भूमिका निभाने उतरेंगे । मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म से बाहर आने की उम्मीद है । ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी अच्छी है । उसके पास कप्तान पैट कमिंस के अलाव जोश हेजलवुड , मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाज है ।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी, अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम RCB के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब किंग्स अलगे साल बेंगलूरू में फाइनल खेलेंगी और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।

शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, 'मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे।'

उन्होंने कहा, 'मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था। इसलिए मैंने खुद को तैयार किया, लेकिन मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की, वह भी मेरे जांघ के पैड पर। अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता था, क्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि सब खत्म हो गया है।'

अंतिम ओवर की पहली गेंद पर फुल टॉस चूक जाना अभी भी शशांक को परेशान करता है। उन्होंने कहा, 'मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है। जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को

हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका। होटल से लेकर एयरपोर्ट, ग्राउंड से लेकर घर तक, हर किसी का एक ही मतलब था कि भैया वो गेंद मार देते बस।'

बल्लेबाज ने न केवल बेंगलुरू में आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि खिताब भी जीतने की भी बात की। उन्होंने कहा, 'अगले साल हम निश्चित रूप से बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगे और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।'

अभी संन्यास का इरादा नहीं - ख्वाजा

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले कहा है कि अभी

उनके संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है। ख्वाजा के अनुसार वह अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं और अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि समय आने पर वह संन्यास को लेकर अपनी बातें सबके सामने रखेंगे। उनका कहना है कि अभी वह समय नहीं आया है। उस्मान ने पूरे डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक कुल 1,422 रन बनाए हैं। वह मौजूदा चक्र के दौरान टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं । ख्वाजा ने कहा, मेरे लिए बढ़ती उम्र कोई पैमाना नहीं है क्योंकि मैं अभी भी अपने खेल का आनंद उठा रहा हूं। अभी भी वास्तव में कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हू, मैं अभी भी रन बना रहा हूं, अभी भी टीम में अपना योगदान दे रहा हूं।उन्होंने आगे कहा, मैं कुछ भी अलग नहीं सोचता । मैं वास्तव में इस समय अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं । जिस चीज की शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है । मुझे नहीं पता कि वह अंत कब होगा । जब संन्यास का समय आएगा, तो मैं दिल से ऐसा करूंगा, चाहे वह कुछ भी हो ।

काशी में पुलिस ने 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में बाबा विश्वनाथ के भक्तों के साथ ठगी का बड़ा मामला आया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर खुद को पुजारी बताकर श्रद्धालुओं को ठगने वाले 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग मंदिर में अवैध रूप से दर्शन कराने और प्रसाद-लॉकर के नाम पर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये फर्जी पुजारी खुद को मंदिर से अधिकृत बताकर सुलभ दर्शन का वादा कर प्रति व्यक्ति 500 से 1000 रुपये तक की राशि वसूलते थे। पैसे लेने के बाद वे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर की ओर ले जाने का दिखावा कर किसी गली में छोड़कर गायब हो जाते थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी बाहर से आए हुए है और खुद को पुरोहित बताकर भोले-भाले श्रद्धालुओं को निशाना बनाते थे। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर जानने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन लोग शामिल है।

ग्वालियर में 2500 ने हिंदू धर्म छोडा, बौद्ध धर्म स्वीकारा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर के भितरवार स्थित धाकड़ खिरिया में आयोजित बौद्ध महासम्मेलन में ढाई हजार हिंदुओं ने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है। यहां पर तीन दिवसीय बौद्ध आयोजन हो रहा था। रविवार को आयोजन स्थल पर समापन के मौके पर बुद्ध भूमि पर धर्मदूत संघ भोपाल के अध्यक्ष सागर महाथेरो ने बौद्ध धर्म की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करूंगा। ब्रह्मा, विष्णु, महेश को ईश्वर नही मानूंगा। इस शपथ ग्रहण समारोह का 4.24 मिनट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो और शपथ ग्रहण समारोह की पुष्टि आयोजक नहीं कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन की बात सामने आने के बाद एसडीएम भितरवार संजीव जैन इस मामले की जांच कर रहे हैं। आयोजकों से जिला प्रशासन द्वारा पूछताछ की जा रही है।

पीड़िता ने दुष्कर्मी को झौंक दिया आग में, तड़प-तड़पकर हुई मौत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गजपति जिले में 60 वर्षीय व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के एक समूह ने उसकी हत्या कर दी और शव को जला दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस मामले में कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आठ महिलाएं शामिल हैं। मृतक के परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। मोहना थाना प्रभारी बसंत सेठी ने कहा, हमें पता चला कि उस व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद उसके शव को जला दिया गया था। पुलिस ने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक जंगल के पास पहाड़ी से जली हुई अस्थियां और राख बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि गांव के एक वार्ड सदस्य सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तीन जून की रात को हुई जब व्यक्ति ने गांव में 52 वर्षीय विधवा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि उसके पिछले यौन उत्पीड़न की पीड़ितों सहित कुछ महिलाओं ने बाद में एक बैठक की और उसे मार डालने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, वे उसके घर गईं, जहां वह सो रहा था, और 52 वर्षीय विधवा ने अन्य लोगों की मदद से उस व्यक्ति की हत्या कर दी। दो पुरुषों ने भी महिलाओं की सहायता की थी। सेठी ने कहा, गिरफ्तार की गई छह महिलाओं ने यह स्वीकार किया है कि वे उस व्यक्ति द्वारा यौन शोषण का शिकार हो चुकी थीं और उन्होंने इस पीड़ा को समाप्त करने के लिए यह कदम उठाया। गजपति के पुलिस अधीक्षक जतिंद्र कुमार ने कहा, महिलाओं ने उस व्यक्ति (मृतक) के खिलाफ पुलिस से शिकायत नहीं की थी और न ही कभी किसी तरह की मदद मांगी थी।

बीते 3 साल में साढ़े 7 हजार लोगों ने लोकल ट्रेन के सफर में जान गंवाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन लोगों का जीवन भी छीन रहीं हैं। वजह ये है कि भारी भरकम भीड़ और धक्का मुक्की के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। मुंब्रा स्टेशन पर हादसे पर सवाल उठ रहे हैं। एक आरटीआई के मुताबिक, बीते तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि 7,293 गंभीर रूप से घायल हुए। यह खुलासा मुंबई लोहमार्ग पुलिस (जीआरपी) द्वारा आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में हुआ है। सस्ती, तेज और सुलभ लोकल यात्रा अब खतरनाक बनती जा रही है। अधिक भीड़, सीमित लोकल फेरे, अपर्याप्त सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेशद्वारों पर सुरक्षा का अभाव और ट्रैक के पास बैरिकेडिंग की कमी आदि लोकल ट्रेन के हादसों का कारण बन रहे हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। अब्दुल्ला ने जम्मू एवं कश्मीर के गंदेरबल जिले के बाबा नगरी में संवाददाताओं से कहा, यह अच्छी बात है कि अमरनाथ तीर्थयात्री आएंगे। अधिक से अधिक संख्या में तीर्थयात्री आने चाहिए, ताकि यह संदेश जाए कि यहां (कश्मीर में) शांति है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर को जो नुकसान हुआ है, उसे शांतिपूर्ण अमरनाथ यात्रा से कम किया जा सकता है। वार्षिक उर्स में भाग लेने बाबा नगरी आए अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने देश में शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, मैंने देश में शांति, हमारे युवाओं के बेहतर भविष्य और नफरत के उस माहौल के अंत के लिए प्रार्थना की, जिससे हम गुजर रहे हैं।

क्यूआर-सेम कई किमी दूर से ही दुश्मन के हमलों को कर देगी नाकाम

सैन्य बलों को इस मिसाइल प्रणाली से लैस करने पर होगा विचार - राजनाथ

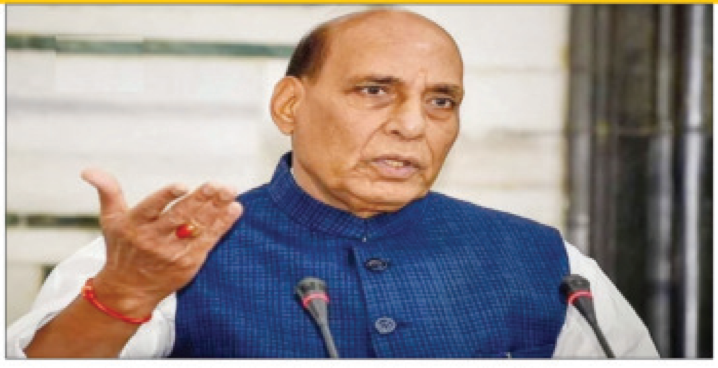

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय जल्द ही सेना के लिए नई स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों की तीन रेजीमेंटों की खरीद के लिए 30,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी देने के मामले पर विचार करेगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद इस माह के आखिर में इन मोबाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों के लिए जरुरी स्वीकृति देने पर विचार करेगी।

बता दें ये प्रणालियां दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन को 25 से 30 किलोमीटर की दूरी तक रोकने के लिए डिजाइन की गई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब भारत की मौजूदा बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। पिछले तीन-चार सालों में डीआरडीओ और सेना ने क्यूआर-सेम प्रणालियों का कई प्रकार के खतरों और उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध परीक्षण किया है, ताकि दिन और रात दोनों स्थितियों में इनकी क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सके।

बताया जा रहा है कि रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड मिलकर इन प्रणालियों का निर्माण करेंगी। इन प्रणालियों के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि क्यूआर-सेम प्रणालियां चलते-चलते संचालन करने में सक्षम हैं, जिनमें सर्च और ट्रैक की सुविधा है और वे कम समय के विराम पर फायर कर सकती हैं। इन्हें टैंक और इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स के साथ चलने के लिए तैयार किया है ताकि सामरिक युद्धक्षेत्र में उन्हें हवाई सुरक्षा प्रदान की जा सके।

बता दें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण प्रदर्शन करने वाली आर्मी एयर डिफेंस को वास्तव में क्यूआर-सेम की 11 रेजीमेंटों की जरुरत है। हालांकि सेना स्वदेशी आकाश प्रणाली की रेजीमेंटों को भी शामिल करती जा रही है, मगर वर्तमान में इसकी अवरोधन क्षमता करीब 25 किमी है। बता दें क्यूआर-सेम प्रणालियों का समावेश वायुसेना और सेना की मौजूदा वायु रक्षा नेटवर्क को मजबूत करेगा। जहां तक सैन्य बलों के पास पहले से मौजूद प्रणालियों की बात है तो इसमें रूसी एस-400 त्रिउम्फ लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है जिसकी 380 किमी अवरोधन क्षमता है।

इसके अलावा हमारे पास इज़राइल के साथ संयुक्त रूप से विकसित बाराक-8 मीडियम रेंज सेम सिस्टम है जिसकी क्षमता 70 किमी की है। साथ ही हमारे पास रूसी इगला-एस कंधे पर दागी जाने वाली मिसाइलें हैं जिसकी क्षमता 6 किमी है। साथ ही उन्नत एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन और स्वदेशी एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन व इंटरडिक्शन सिस्टम भी है जिसकी क्षमता 1-2 किमी की है।

बता दें डीआरडीओ बहुत ही कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली भी तैयार कर रहा है जिसकी अवरोधन क्षमता 6 किमी है लेकिन असली गेम-चेंजर वह वायु रक्षा प्रणाली होगी जिसकी रेंज 350 किमी होगी और जिसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट कुशा के तहत तैयार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत इस लंबी दूरी की प्रणाली को 2028-2029 तक संचालन में लाने की योजना बना रहा है। सितंबर 2023 में रक्षा मंत्रालय ने इसकी पांच स्क्वाड्रनों की खरीद के लिए 21,700 करोड़ की एओएन मंजूरी दी थी।

मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा : स्मृति ईरानी

रांची। रांची पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल के पूरे होने पर कई उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। उन्होंने विपक्ष के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजनीति करने वाले बयान का भी जबाव दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत के हर नागरिक का अधिकार है कि वह न सिर्फ अपनी सेना पर गर्व करे, बल्कि उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करे। मेरा मानना है कि हिंदुस्तान का नागरिक या राजनीतिक दल हो, जिसे हमारी भारतीय सेना पर नाज हो। विपक्ष के पीओके गंवाने के सवाल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि कुछ विषयों का जवाब सरकार संसद में देगी। पीएम मोदी न सिर्फ एक प्रभावी प्रशासक हैं, बल्कि प्रभावी वक्ता भी हैं। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि केंद्र की कई उपलब्धियां ऐसी हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। 50 करोड़ लोगों को जनधन योजना के माध्यम से देश की तिजोरी तक जोड़ना, यह मोदी सरकार की एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इसके साथ ही लगभग 45 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से देश की तिजोरी से लोगों के सीधे बैंक के खाते में गए हैं। हमारे देश में शायद ही कभी किसी ने सोचा हो कि 11 करोड़ किसानों को सीधे देश की तिजोरी से जोड़कर किसान सम्मान निधि की कोई योजना संभव हो पाएगी। लेकिन, पीएम मोदी ने इसे न सिर्फ संभव किया, बल्कि सफल करके भी दिखाया।

नीतीश-बीजेपी ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला, उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया

-लालू यादव ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को कानून-व्यवस्था को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने एक्स हैंडल पर बिहार के अपराध से संबंधित आंकड़े पेश कर नीतीश कुमार के शासनकाल में प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था का उल्लेख किया। लालू यादव ने पोस्ट में कहा कि नीतीश बताएं कि शाम 5 बजे से पहले घर में घुसकर ही कितनी हत्याएं हो रही हैं? क्या नीतीश जानते, पहचानते और समझते हैं कि उनके शासनकाल में आधिकारिक आंकड़ों में 65,000 हत्याएं हुई हैं? 65,000!

राजद प्रमुख ने कहा कि नीतीश-बीजेपी ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला, बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। बिहार में इतनी भ्रष्ट, लापरवाह और कामचोर पुलिस कभी भी नहीं रही। इससे पहले 7 जून को भी लालू ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर नीतीश कुमार के शासनकाल में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि बेलगाम अपराधी, मदमस्त अफसरशाही और बेहोश सरकार रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार। बिहार का बंटाधार करने वाली यह है 20 सालों की एनडीए सरकार!

बता दें बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। इससे पहले बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 5 जून को राष्ट्रीय जनता दल और गांधी परिवार पर निशाना साधा था।

दिल्ली पहुंचे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार, डीके की ताजपोशी सहित कई मुद्दों पर चर्चा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी क्या नेतृत्व परिवर्तन करने जा रही है? यह सवाल लंबे से कर्नाटक के सियासी गलियारे में सुनाई दे रहा है। लेकिन, इस को लेकर बड़ी हलचल देखी जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली में हैं। वे कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर रहे हैं। इस अहम बैठक में एआईसीसी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी मौजूद हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक का मुख्य एजेंडा कर्नाटक में जाति जनगणना का मुद्दा है. इसके अलावा, हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर भी चर्चा होगी। मुलाकात ने कर्नाटक की सियासत में हलचल बढ़ दी है, क्योंकि डीके के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

कर्नाटक में जाति जनगणना लंबे समय से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। सिद्धारमैया सरकार ने जनगणना को लेकर कदम उठाए हैं, लेकिन लागू करने में कई चुनौतियां सामने आई हैं। सूत्रों का कहना है कि खरगे और राहुल गांधी के साथ बैठक जाति जनगणना की प्रगति और इसके राजनीतिक प्रभावों पर केंद्रित हो सकती है। सिद्धारमैया और डीके इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने की कोशिश में हैं, लेकिन पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

डीके का नाम सीएम पद के लिए पहले भी उछलता रहा है। 2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तब पार्टी ने दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला तय किया था, इसमें शिवकुमार को बाद में कथित तौर पर मुख्यमंत्री बनाने की बात हुई थी। अब, लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में कांग्रेस के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद शिवकुमार के समर्थकों ने फिर से उनके लिए सीएम की कुर्सी की मांग शुरू कर दी है। उनकी वोकालिगा समुदाय में मजबूत पकड़ और संगठनात्मक कौशल को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ ने भी सरकार की फजीहत करा दी है। इस घटना में 11 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए थे, जिसके बाद विपक्ष ने सिद्धारमैया सरकार की लापरवाही पर सवाल उठाए। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में मुद्दे पर भी चर्चा कर सकती है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सके।

मोदी सरकार में सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर मिल रहा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तुष्टिकरण नहीं, संतोष के लिए भारत सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीते 11 सालों में विकास केवल नारे नहीं हैं, बल्कि विरासत और विकास का समन्वय करते हुए लोगों को साथ लेकर दुनिया में नई पहचान दिलाई गई है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर मिल रही है। अब तुष्टिकरण के आधार पर नहीं, बल्कि संतोष के आधार पर कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त होकर, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अगले 25 सालों के लिए कार्ययोजना बनाकर, इन 11 सालों में भारत ने न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष में, बल्कि सेवा, सुशासन और आर्थिक मोर्चे पर भी नई पहचान बनाई है।

सीएम योगी ने कहा कि इन 11 सालों में केंद्र सरकार ने हर वर्ग के लिए काम किया है। वंशवाद की राजनीति समाप्त हुई, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लेकर एनडीए में भर्ती तक महिलाओं को अधिकार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए संविधान का सम्मान हो रहा है, पहली बार संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 2014 के पहले अविश्वास का भारत था, पिछले 11 वर्ष में भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आज जब 11 वर्ष केंद्र सरकार के हो रहे हैं, तब जापान को पछाड़कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय बढ़ाई है, आज प्रति व्यक्ति आय लगभग ढाई लाख हुई है।

सीएम ने कहा कि यूपीए कार्यकाल के दौरान हाईवे निर्माण की स्पीड 11 किमी प्रतिदिन थी, आज यह 35 किमी/हर दिन बन रही है। देश के अंदर हाई स्पीड कॉरिडोर बन रहे है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का बेहतरीन मॉडल मेट्रो है, आज देश में 23 शहरों में मेट्रो संचालन हो रहा है, उत्तर प्रदेश में 6 शहरों में मेट्रो संचालित है। आज देश में 160 एयरपोर्ट बन गए हैं, उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद 16 एयरपोर्ट सक्रिय हैं, इसमें 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, 5वां जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बहुत जल्द सामने आ जाएगा।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी, अब तक कई खूंखार और ईनामी नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान जारी है इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है जो इलाकों नक्सलियों का गढ़ माने जाते थे वहां अब सुरक्षा बलों का नियंत्रण और दबदबा हो गया है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों ने कई खतरनाक और मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडरों को ढेर कर दिया है, जिन पर लाखों का इनाम घोषित था। ये वह नाम थे, जो लंबे समय से लाल आतंक का चेहरा बने हुए थे।

सबसे बड़ी सफलता बीजापुर जिले में मिली जहां सुरक्षाबलों ने इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र में मुठभेड़ में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर को मार गिराया था। सुधाकर नक्सल संगठन का शिक्षा प्रमुख था और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में उसकी अहम भूमिका थी। उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इसके बाद तेलंगाना कमेटी के सदस्य भास्कर को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। भास्कर मंचेरियल-कोमाराम भीम डिविजनल कमेटी का सचिव था और उसके पास से आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ था। उस पर 45 लाख रुपए का इनाम था।

नारायणपुर में हुई मुठभेड़ अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। यहां सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया था, जिनमें सबसे बड़ा नाम नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का था। बसवराजू सीपीआई-माओवादी का महासचिव था और देश का सबसे बड़ा वांटेड नक्सली नेता था। उस पर डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम रखा गया था। गरियाबंद में एक और बड़े ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 16 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में जयराम उर्फ चलपति भी शामिल था, जो सेंट्रल कमेटी का सदस्य और एक करोड़ का इनामी था। वह कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड रहा था।

इसके अलावा दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा जा चुका है। हालांकि, नक्सली संगठन उसका खंडन करते हुए दावा कर रहे हैं कि वह जीवित है। उस पर 50 लाख का इनाम था और वह कई राज्यों में मोस्ट वांटेड था। इन कार्रवाइयों से यह साफ होता है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने कमजोर दौर से गुजर रहा है और सुरक्षा बलों की आक्रामक रणनीति ने संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर डॉक्टरों ने कहा बूस्टर डोज की नहीं, सावधानी की जरुरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लोगों के मन में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। किसी को लगता है कि बूस्टर डोज लगवाने से सुरक्षित हो जाएंगे तो कुछ लोगों का मानना है कि ये वायरस ज्यादा खतरनाक नहीं है। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब जानकारों ने दिए हैं। उनका कहना है कि बूस्टर डोज की जरुरत नहीं है लेकिन सावधानी पूरी तरह रखना चाहिए। बुजुर्गों के लिए ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है। भारत को कोविड वैक्सीन के बूस्टर डोज पर जोर देने के बजाय अधिक जोखिम वाले लोगों को बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब भारत में 8 जून तक कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या 6,133 दर्ज की गई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 28 अप्रैल को यह आंकड़ा महज 35 था।

इस मामले से अवगत स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिलहाल केंद्र सरकार ने सभी लोगों के लिए इसे एक अभियान बनाने का कोई निर्देश नहीं दिया है। उन्होंने कहा, डॉक्टर मरीजों की जरूरतों के आधार पर बूस्टर डोज लेने की सिफारिश कर सकते हैं। मगर कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया कोविड लहरों के दौरान हर्ड इम्युनिटी ने उसकी गंभीरता और प्रसार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। मगर यह भविष्य में होने वाले उछाल को रोकने के लिए अपने आप में पर्याप्त नहीं हो सकती है, खासकर कमजोर लोगों के बीच।

संयुक्त राष्ट्र कोविड-19 टास्क फोर्स की रणनीतिकार और सलाहकार (सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवा) सबाइन कापसी ने कहा, 'पहले के संक्रमण एवं प्राथमिक टीकारण के व्यापक प्रभाव को देखते हुए ऐसा लगता है कि सभी लोगों के लिए बूस्टर डोज की तब तक कोई खास जरूरत नहीं है जब तक कि कोई गंभीर नया वेरिएंट न दिखे। बूस्टर डोज लेना वैकल्पिक हो सकता है लेकिन अभी उसे अनिवार्य बनाने की जरूरत नहीं है।

डॉ. समीर भाटी ने कहा कि देश ने एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के साथ पहली और दूसरी खुराक के जरिये व्यापक कवरेज हासिल किया है, लेकिन समय के साथ-साथ प्रतिरोधक क्षमता स्वाभाविक तौर पर कम हो जाती है। उन्होंने कहा, 'इससे कोविड के प्रति संवेदनशील लोगों की अच्छी खासी आबादी तैयार हो गई होगी जिनकी प्रतिरोधक क्षमता पिछले 12 से 18 महीनों के दौरान काफी काफी कम हो गई होगी।' अब कोविड-19 के संक्रमण मामलों में मौसमी उतार-चढ़ाव दिखने की उम्मीद है। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा उछाल वायरस के अन्य मौसमी संक्रमण जैसे कि इन्फ्लूएंजा के साथ फैलने का उदाहरण है। भारत में ओमिक्रॉन वेरिएंट के कारण कोविड संक्रमण के मामलों में मौजूदा तेजी दिख रही है। इसकी पहचान सबसे पहले 2021 के आखिर में हुई थी। इसके उभरते सब-वेरिएंट जैसे एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 शामिल हैं, जो जेएन.1 श्रेणी के हैं। गुरुग्राम के सीके बिरला हॉस्पिटल में कंसल्टेंट (इंटरनल मेडिसिन) तुषार तयाल ने कहा कि बूस्टर डोज की लॉजिस्टिकल एवं वित्तीय लागत के मद्देनजर भारत को जोखिम आधारित दृष्टिकोण अपनाने से काफी फायदा हो सकता है। सरकार के कोविन डैशबोर्ड के अनुसार, देश में अब तक कोविड-19 टीकों की 2.2 अरब से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। इनमें मुख्य रूप से एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सिन शामिल हैं। पहली खुराक की संख्या 1.02 अरब और दूसरी खुराक की 95.1 करोड़ रही, लेकिन अब तक 22.7 करोड़ लोगों को ही बूस्टर डोज दी गई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**